मंगलवार
19 दिसम्बर 2023

पृष्ठ 4

कोल्ड ड्रिंक पीने की है लत तो हो जाएं अलर्ट!

पृष्ठ 5

कांतारा के प्रीक्वल का बजट हुआ दोगुना, कहानी से भी हटा पर्दा

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 304
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

जिस प्रकार थोड़ी सी वायु से आग भड़क उठती है, उसी प्रकार थोड़ी सी मेहनत से किस्मत चमक उठती है।
– अज्ञात

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com आर.एन.आई.- 59626/94

कोरोना को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

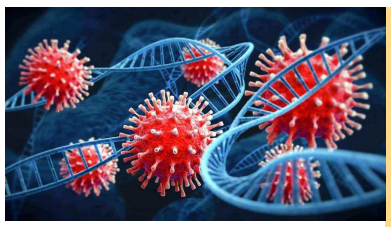

- अस्पतालों में कोविड की जांच शुरू
- लोगों को मास्क पहनने की दी जा रही है सलाह
- देश में अभी भी 17 सौ से ज्यादा मरीज

विशेष संवाददाता

देहरादून। कोरोना के नए वायरस जे एन-1 को लेकर स्वास्थ्य महकमा अलर्ट हो गया है। दून मेडिकल कॉलेज में कोरोना के संदिग्ध मरीजों की जांच का काम शुरू हो गया है तथा मरीजों और आम आदमी के लिए एसओपी जारी करने पर विचार किया जा रहा है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा केरल में जे एन-1 का मामला सामने आने के बाद केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को एहतिहात बरतने के निर्देश दिए जाने के बाद राज्य का स्वास्थ्य महकमा भी अब हरकत में आ गया है। इन दिनों बढ़ते सर्दी के प्रकोप के कारण बच्चों और बुजुर्गों में सर्दी, जुकाम, खांसी और बुखार के मामले बढ़ते जा रहे हैं तथा अस्पताल में ऐसे मरीज बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं।

दून अस्पताल जो राजधानी का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल है तथा इसी अस्पताल में कोरोना की दूसरी लहर के दौरान सबसे बड़े स्तर पर इलाज की व्यवस्था की गई थी। एक बार फिर वहां सभी तैयारियों को परखा जा रहा है जिससे कल आने वाले समय में अगर कोरोना के नए मामले सामने आते हैं तो मरीजों का ठीक से इलाज हो सके।

अभी बुखार खांसी और निमोनिया जैसी बीमारी के कारण जो मरीज भर्ती हैं उनका कोविड टेस्ट कराया जा रहा है। हालांकि अभी अनिवार्य नहीं है लेकिन यह लक्षण कोरोना मरीजों में भी समान्यता पाए जाते हैं। इसलिए अहतियात के तौर पर ही उनकी जांच कराई जा रही है। वहीं स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस तरह के मरीजों तथा आम आदमी के लिए भी एसओपी जारी करने पर विचार किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि लोगों को मास्क लगाना चाहिए खासतौर से अस्पताल तथा अन्य भीड़ भाड़ वाली जगहों पर जाने के लिए मास्क का प्रयोग किया जाए, वहीं अगर सांस लेने में दिक्कत हो तो तुरंत अस्पताल आना चाहिए। उल्लेखनीय है कि देश में अभी कोरोना के 1700 से अधिक सक्रिय मरीज हैं। तथा मौतों का सिलसिला भी जारी है, डॉक्टरों का कहना है कि बचाव में ही सुरक्षा संभव है।

3 करोड़ के साइबर घोटाले में राजस्थान से तीन गिरफ्तार

- आरोपियों के ऊपर पूरे भारत में 74 शिकायतें हैं दर्ज

हमारे संवाददाता

देहरादून। स्टॉक मार्केट में निवेश कर जल्द पैसे कमाने का लालच देकर ठगी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को साइबर क्राइम पुलिस द्वारा राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया गया है।

बीते दिनों ऐसा ही एक प्रकरण साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन को प्राप्त हुआ जिसमें कोटद्वार पौड़ी गढ़वाल निवासी शिकायतकर्ता के साथ इसी प्रकार की घटना घटित हुयी थी जिसमें शिकायतकर्ता को कथित रिया शर्मा नामक फेसबुक फ्रैण्ड व उसके कथित अंकल के द्वारा स्टॉक मार्केट में सेल व पर्चेज में शिकायतकर्ता को हुई हानि को वापस दिलाने व प्रोफिट दिलाने के लिये फोरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर पीड़ित से एक ऐप डाउनलोड करवाकर उनमें ट्रेडिंग हेतु रुपये ट्रांसफर कराकर कुल 65,09,550 रुपये (पैंसठ लाख नौ हजार पाँच सौ पचास रुपये) की धोखाधडी कर ली गई थी। मामले में साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन द्वारा मुकदमा

दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई।

जिसमें पुलिस टीम द्वारा अथक मेहनत एवं प्रयास से पीड़ित को जो खाता संख्या व मोबाईल नम्बर दिये थे व धोखाधडी से प्राप्त की गयी धनराशि फर्जी आईडी पर खोले गये बैक खातो में प्राप्त की गयी थी उन खातों के खाताधारक की जानकारी प्राप्त की गयी व उन खातों के खाताधारक के सम्बन्ध में साक्ष्य एकत्रित करते हुये प्रकाश

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

संसद के बाहर धरने पर बैठे निलंबित सांसद

नई दिल्ली। संसद की सुरक्षा में चूक को लेकर विपक्ष की मांग है कि गृहमंत्री अमित शाह दोनों सदन में आकर इस पर बयान दें और उसके बाद इस मामले पर चर्चा की जाए। इसकी मांग कर रहे सांसदों को लोकसभा और राज्यसभा से सस्पेंड कर दिया गया था। सदन में गृहमंत्री के बयान और सांसदों के निलंबन के खिलाफ

विपक्षी सांसद संसद परिसर में गांधी प्रतिमा के सामने प्रदर्शन कर रहे हैं। इस प्रदर्शन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अधीर रंजन चौधरी, टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन, सपा नेता राम गोपाल यादव समेत कई नेता शामिल हुए। मल्लिकार्जुन खड़गे ने सांसदों के निलंबन को लोकतंत्र के खिलाफ बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री सदन में क्यों नहीं आते। उन्होंने कहा कि सरकार डराने और धमकाने में लगी है। वहीं सपा नेता रामगोपाल यादव ने कहा कि बिना गलती के सांसदों को निलंबित कर दिया गया। यह विपक्ष को कुचलने का प्रयास है। विपक्ष के प्रति सरकार का रवैया ठीक नहीं है।

संसद के शीतकालीन सत्र से रिकॉर्ड 141 सांसद निलंबित

नई दिल्ली। सदन में तख्ती लेकर हंगामा और नारेबाजी करने के चलते मंगलवार को दूसरे दिन भी लोकसभा में विपक्षी सांसदों के खिलाफ कार्रवाई की गई। 49 सांसदों को इस सत्र (शीतकालीन सत्र) से निलंबित कर दिया गया। इस तरह कुल 141 सांसदों के खिलाफ कार्रवाई हुई है। सोमवार को 78 सांसदों को संसद से सस्पेंड किया गया था। पहली बार एक सत्र में इतने अधिक सांसदों को निलंबित किया गया है।

दूसरी ओर टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने संसद परिसर में राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ का मजाक उड़ाया। उन्होंने विपक्षी सांसदों के सामने जगदीप धनखड़ की मिमिक्री की, जिसे देखकर कई सांसद ठहाके लगाकर हंसते दिखे। इस घटना को लेकर जगदीप धनखड़ ने

नाराजगी व्यक्त की है।

पिछले सप्ताह 14 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया था। उसके बाद सोमवार को 78 सांसद सस्पेंड हुए हैं। मंगलवार को 48 और सांसद निलंबित किए गए हैं। एक सत्र के दौरान सबसे ज्यादा सांसदों को निलंबित किया गया। इसके साथ, विपक्षी दलों के इंडिया ब्लॉक ने राज्यसभा में अपनी लगभग आधी और लोकसभा में एक तिहाई ताकत खो दी।

सूत्रों के मुताबिक, सांसदों के निलंबन के बाद विपक्ष संसद के शीतकालीन सत्र का बहिष्कार कर सकता है। लोकसभा में विपक्ष के कुल 133 सदस्य हैं और अब तक 94 सस्पेंड हो गए हैं। इसी तरह, राज्यसभा में विपक्ष के कुल 95 सदस्य हैं और अब तक 46 सस्पेंड हो गए हैं। मंगलवार को ही 40 लोकसभा और आठ राज्यसभा से सांसद सस्पेंड हुए हैं। अब तक कुल 228 (दोनों सदनों के सदस्य) में से 141 सांसदों पर एक्शन हुआ है। दरअसल, 13 दिसंबर को लोकसभा से 33 सदस्यों को निलंबित किया गया था। उसके बाद राज्यसभा से 45 नेताओं को निलंबित कर दिया गया। विपक्षी दलों के अब तक 94 लोकसभा से और 46 राज्यसभा से सांसद सस्पेंड हुए हैं। संसद के शीतकालीन सत्र से रिकॉर्ड 141 सांसद निलंबित किए गए हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

हंगामे का जिम्मेदार कौन?

विगत 13 दिसंबर को संसद की सुरक्षा में सेंध के मुद्दे को लेकर संसद के दोनों सदनों में हंगामा जारी है। 14 सांसदों को पूर्व समय में निलंबित किए जाने के बाद बीते कल लोकसभा और राज्यसभा के 78 और सांसदों को भी निलम्बित किए जाने के बाद अब यह संख्या 92 हो चुकी है। देश के इतिहास में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में निलंबन की कार्रवाई की गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का कहना है कि 13 दिसंबर को कुछ लोगों ने संसद पर हमला किया था अब सरकार संसद और लोकतंत्र पर हमला कर रही है। विपक्ष पहले इस अति संवेदनशील मुद्दे पर गृहमंत्री के संसद में आने और सवालों का जवाब देने की मांग कर रहा था। अब विपक्ष प्रधानमंत्री से बयान देने की मांग कर रहा है। इस पूरे प्रकरण में अहम मुद्दा यह है कि जब विपक्ष सरकार से अपनी बात कहना चाहता है और अपने कुछ सवालों का जवाब मांग रहा है तो गृहमंत्री शाह और पीएम मोदी उनके सवालों का जवाब देने को क्या तैयार नहीं है? विपक्षी सांसद हंगामा न करें, इसे रोकने के लिए सबसे आसान तरीका यही है कि गृहमंत्री सदन में आए और अपनी बात रखें। लेकिन शायद उनके पास कोई संतोषजनक जवाब देने के लिए नहीं है। या फिर वह इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि इस मामले की जांच में ऐसा कुछ हाथ लग जाए जिसे बताकर वह विपक्ष की बोलती बंद कर सकें। विपक्ष पर यह आरोप लगाकर कि वह हर मुद्दे पर राजनीति कर रहा है या फिर विपक्ष के हंगामा को लोकतंत्र और संसद की गरिमा के खिलाफ बताकर उनके खिलाफ निलंबन जैसी कार्रवाई कर उन्हें चुप कराने की कोशिश कर रहा है। दोनों को ही उचित नहीं ठहराया जा सकता है। विपक्ष है तो वह सरकार से किसी भी मुद्दे पर सवाल पूछेगा ही। अब जब 92 सांसदों को निलंबित किया जा चुका है तब यह संख्या कोई कम नहीं है हो सकता है आज या फिर कल और भी कुछ सांसदों का निलंबन किया जाए। ऐसे में सदन का शीतकालीन सत्र बिना विपक्ष के चलेगा। सदन में लाये जाने वाले प्रस्तावों को बिना किसी चर्चा के पास कराया जाना भी क्या लोकतंत्र के अनुरूप होगा? यही कारण है कि इस तरह की कार्यवाही के बाद विपक्ष सत्ता पक्ष पर तानाशाही का आरोप लगाते हुए कह रहा है कि भाजपा विपक्ष विहीन सरकार चाहती है। खड़गे अगर इसे लोकतंत्र पर हमला बता रहे हैं तो उसका यही आधार है। भारत की संसद में इस शीतकालीन सत्र के दौरान जो कुछ भी घटित हो रहा है चाहे वह संसद में घुसपैठ का मामला हो या फिर विपक्ष के हंगामे का अथवा सांसदों को निलंबित करने का और बिना चर्चा और बिना विपक्ष के विधेयकों को पारित किए जाने का कुछ भी संवैधानिक परंपराओं और लोकतंत्र की मूल भावना के दृष्टिकोण से अच्छा नहीं कहा जा सकता है। सदन की कार्रवाई को बाधित करने का आरोप भले ही हमेशा ही विपक्ष पर लगाया जाता है लेकिन सदन को सुचारू और व्यवस्थित रूप से संचालित किए जाने की जिम्मेदारी सरकार की ही होती है अगर संसद में हंगामा हो रहा है या फिर सदन की कार्यवाही शांतिपूर्वक तरीके से नहीं चल पा रही है तो इसके लिए विपक्ष जितना जिम्मेदार है उससे कहीं अधिक जिम्मेदार सत्ता पक्ष भी है। रही बात संसद में हुई घुसपैठ और सुरक्षा में चूक की तो इसके लिए भी सरकार ही जिम्मेदार है विपक्ष नहीं। यह कोई मामूली चूक भी नहीं मानी जा सकती है जिस तरह दो युवक संसद की कार्रवाई के दौरान लोकसभा सदन तक पहुंच गए और उनके द्वारा नारेबाजी कर धुंए वाले केन फोड़े गए उनकी जगह अगर आतंकी रहे होते तो इसके परिणाम क्या हो सकते थे इसकी कल्पना किया जाना भी संभव नहीं है। यह बात अलग है कि सत्ता पक्ष द्वारा इस अत्यंत गंभीर मसले को इतने हल्के में लिया जा रहा है या हल्के में लेने का दिखावा किया जा रहा है उसे भी उचित नहीं ठहराया जा सकता है भले ही इसके पीछे भी सरकार की मंशा विपक्ष को शांत रखने की ही क्यों न हो। मणिपुर हिंसा मामले में भी हम सरकार का ऐसा ही रुख देख चुके हैं जिसके कारण विपक्ष को सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना पड़ा। ऐसी स्थितियां किसी भी लोकतंत्र के लिए सही नहीं मानी जा सकती हैं।

गुरुद्वारा श्रीगुरु सिंह सभा के पदाधिकारियों ने डाबर को राज्यमंत्री बनने पर दी बधाई

संवाददाता

देहरादून। गुरूद्वारा श्री गुरू सिंह सभा के पदाधिकारियों ने राज्यमंत्री बनने पर विश्वास डाबर को बधाई दी।

आज यहां गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, आढ़त बाजार के प्रतिनिधि मण्डल एवं समाज सेवियों ने विश्वास डाबर के अवस्थापन अनुषरण विभाग का उपाध्यक्ष बनने पर उनके निवास स्थान पर जाकर उन्हें शाल ओढ़ा कर, पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर बधाई एवं शुभकामनायें दी। इस अवसर पर गुरूद्वारे के महासचिव सरदार गुलजार सिंह ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं भाजपा संगठन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पंजाबी समाज से विश्वास डाबर को राज्यमंत्री का दर्जा देकर सभी वर्गो को साथ लेकर चलने का कार्य कर रहे हैं। सरदार दविंदर पाल सिंह मोंटी, पूर्व पार्षद ने सरकार का आभार जताते हुए कहा कि पंजाबी समाज हमेशा देश हित के लिए अग्रिम पंक्ति में रहता है, सिख एवं पंजाबी समाज आपको हमेशा सहयोग देता रहेगा हम भी समाजिक कार्यों के लिए आपके पास जनहित हेतु आएंगे। सरदार दविंदर सिंह भसीन ने डाबर द्वारा किये जा रहे समाजिक कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमेशा समाज हित में सेवा करने के लिए तत्पर रहते हैं उन्हें महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री अशोक वर्मा ने डाबर को बधाई एवं शुभकामनायें दी। सेवा सिंह मठारु ने सरकार द्वारा पंजाबी समाज के होनहार युवा डाबर को राज्यमंत्री बनाने पर धन्यवाद किया एवं डाबर को आश्वासन दिया कि सिख एवं पंजाबी समाज आपके साथ समाज सेवा के लिए हमेशा खड़ा रहेगा, डाबर की लम्बी, स्वस्थ आयु की कामना की। विश्वास डाबर सम्मान देने के लिए सभी का आभार प्रकट किया एवं समाज हित में मिलजुल कर कार्य करने की बात कही, आज हम अगर हैं तो सिख गुरुओं की कुर्बानी के कारण है राम जन्मभूमि को आजाद करवाने में 13,000 सिखों ने कुरबानी दी है जो हमेशा याद रखी जाएगी। गुरूद्वारा श्री गुरु सिंह सभा प्रधान सरदार गुरबख्श सिंह राजन ने मुख्यमंत्री का डाबर को राज्यमंत्री बनाने के लिए आभार प्रकट किया। उन्होंने विश्वास डाबर को गुरु महाराज का आशीर्वाद लेने के लिए गुरुद्वारा साहिब आने का निमंत्रण दिया जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया एवं सभी का समय देने के लिए धन्यवाद किया। बधाई देने वालों में प्रधान गुरबक्श सिंह राजन, सरदार गुलजार सिंह, चरणजीत सिंह चन्नी, पूर्व पार्षद सरदार दविंदर पाल सिंह मोंटी, अशोक वर्मा, दविंदर सिंह भसीन, सतनाम सिंह, गुरप्रीत सिंह जोली,अमरदीप सिंह एवं सेवा सिंह मठारु आदि शामिल थे।

चरस के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चरस के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने पाम सिटी के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 467 ग्राम चरस बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम दयाराम चौहान पुत्र सेन्जीराम निवासी बडासू उत्तरकाशी बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

रेस्टोरेंट में मारपीट करने पर दोनों पक्षों की तरफ से मुकदमा दर्ज

देहरादून (सं)। रेस्टोरेंट में मारपीट करने के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों की तरफ से मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार रानीपोखरी स्थित रेस्टोरेंट संचालक राहुल सिंह सोलंकी ने रानीपोखरी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके रेस्टोरेंट में अभिषेक, अनिल व विनोद शराब के नशे में पहुंचे तो उसने उनको नशे में रेस्टोरेंट में घुसने से मना किया तो उन्होंने उनके साथ गाली गलौच करते हुए मारपीट शुरू कर दी। वहीं दूसरी तरफ से जौलीग्रान्ट निवासी अनिल ने नितिन, राकेश, राहुल व सागर के खिलाफ मारपीट का जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया।

कोर्ट परिसर से निर्माणाधीन सामान चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने कोर्ट परिसर से निर्माणधीन सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भण्डारी बाग निवासी सतीश कुमार शर्मा ने मसूरी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि कोर्ट परिसर में निर्माण कार्य चल रहा है। गत रात्रि चोरों ने कोर्ट परिसर से 40 किलो एल्यूमिनियम सेक्शन व पुराने लोहे के गेट चोरी कर लिये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कैबिनेट की बैठक 22 को, कई अहम फैसले संभव

विशेष संवाददाता

देहरादून। जनवरी 2024 में विधानसभा के शीतकालीन सत्र के मद्देनजर 22 दिसंबर को होने वाली साल की अंतिम कैबिनेट बैठक में कई बड़े फैसलों पर मोहर लगाई जा सकती है। काबीना मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार राज्य कैबिनेट की बैठक 22 दिसंबर को होने वाली है जिसमें यूसीसी और उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी तथा सरकारी कर्मचारियों की समस्याओं से जुड़े कई अहम फैसले लिए जा सकते हैं। सरकार 2024 के चुनाव से पूर्व यूसीसी को लागू करने व आंदोलनकारी को 10 फीसदी क्षैतिज आरक्षण पर विधेयक प्रस्ताव पारित करने की तैयारी में है।

अपघ्नन्पवते मृधोऽप सोमो अराव्णः।
गच्छन्निन्द्रस्य निष्कृतम्।।

(ऋग्वेद ९-६१-२६)

अज्ञानता के अंधकार को दूर करके अपने आंतरिक शत्रुओं (काम, क्रोध , लोभ, मोह, आदि) को नष्ट करना चाहिए। ऐसा करने से एक मनुष्य मुक्ति के पथ पर अग्रसर होता है।

महिला आयोग अध्यक्ष ने मांगी विनीता भण्डारी की संदिग्ध अवस्था में मौत की जाँच रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। बीते 4 दिसम्बर 2023 से मुनि की रेती थाना पुलिस क्षेत्र से लापता हुई 22 वर्षीय विनीता भण्डारी का आधा जला हुआ शव देहरादून रोड के जंगलों में मिलने पर महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल शुरू से ही मामले में अधिकारियों के साथ संपर्क में है।

उन्होंने इस मामले में मृतका के संदिग्ध अवस्था मे शव मिलने के बाद जांच आदि के लिए निर्देशित किया था। जिसकी रिपोर्ट महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने फोन पर वार्ता के दौरान एसएसपी टिहरी गढ़वाल से मांगी है।

वही महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल जो मामले में बीते 6 दिसम्बर से ही थाना मुनि की रेती टिहरी गढ़वाल एसओ रितेश शाह के संपर्क से पूरी निगरानी बनाये हुए है। उन्होंने मृतका के मौत के कारणों को स्पष्ट करने के लिए जानकारी मांगी है तथा उन्होंने कहा कि उक्त मृतका के व उसके परिचित अर्जुन मोबाइल की भी जांच के किये निर्देशित किया है।

मामले में पुलिस अधिकारियों द्वारा आयोग को अब तक कृत कार्यवाही की रिपोर्ट आयोग अध्यक्ष को सौंपी है जिसमें जानकारी मिली है कि 4 दिसम्बर को 10:48 पर विनीता भंडारी को भ्छठ मार्ग ढालवाला होते हुए पैदल नटराज चौक की ओर जाते हुए देखा गया है। जिसमे उसने अपने दाहिने हाथ मे एक पॉलिथीन भी देखी गयी है। मृतका की अंतिम कॉल भी अर्जुन से हुई है तथा उक्त से पूछताछ की जा रही है व सभी तथ्यों व साक्ष्यों के आधार पर जांच जारी है।

मामले में आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने सभी तथ्यों की गहनता व गंभीरता से जाँच के लिए किया निर्देशित करते हुए जल्द से जल्द आयोग को अवगत कराने के लिए कहा है।

शब्द यात्रा को भेदते-बूझते

राहुल सिंह

पूर्वजों के गांव पोंड़ीशंकर और अपने मूल निवास अकलतरा से करीबी गांव, पोंड़ी दल्हा नाम के चलते 'पोंड़ी' के फेर में पड़ा हूं। टोहने-टटोलने की जरूरत न होती। इतनी मशक्कत की गुंजाइश ही कहां, जो भाषा विज्ञान आता। लेकिन किसी खास सहारे बिना भेदने-बूझने की जहमत में ही तो नये रास्ते खुलते हैं।

इस तरह राह चलते किसी पोंड़ी से गुजरता या सुनता, नाम जमा कर लेता, हिसाब लगाया कि कोरिया, सरगुजा, जशपुर, रायगढ, कोरबा, जांजगीर, बिलासपुर, कवर्धा, राजनांदगांव क्षेत्र, यानी उत्तर-मध्य छत्तीसगढ़ में पोंड़ी नामक गांवों की संख्या लगभग दो कोरी तक है। इनमें पोंड़ी-उपरोड़ा तो है ही, लुंड्रा में उपरपोंड़ी और खालपोंड़ी (खाल या खाल्ह-खाल्हे यानी नीचे) है। इसके अलावा आधा दर्जन से अधिक गांवों के नाम पोड़ी (पोंड़ी के बजाय) उच्चारण वाले हैं। छत्तीसगढ़ से बाहर निकलें तो बगल में चिल्फी घाटी के साथ एक पोंड़ी है। फिर हर की पौड़ी और पौड़ी गढ़वाल का नाम किसने नहीं सुना। पौड़ी या पौरी (ड्योढ़ी) या पोंड़ी अर्थ देता है दहलीज का यानी उदुम्बर (जिसका एक अर्थ दो तोले की तौल भी है)। उदुम्बर या उडुम्बर यानी गूलर, शायद जिसकी लकड़ी इस काम के लिए इस्तेमाल होती थी। उदुम्बर, शाब्दिक चौखट का वह भाग, जिसके लिए चौखट शब्द रूढ़ हो गया है। यही देहली और देहरी या छत्तीसगढ़ी में डेहरी हो जाता है। माना जाता है कि शब्द के मूल की ओर बढ़ते हुए पोंड़ी-पौड़ी-पौरी या पउरी (पांव?)-पउली-पओली-प्रतोली से आता है। 'प्रतोली' का अर्थ मिलता है रथ्या, यानी रथ चलें ऐसा मार्ग, चौड़ा, प्रशस्त राजमार्ग, नगर की मुख्य सड़क आदि। वापस पौरी पर आएं और मूल शब्द के साथ थोड़ी जोड़-तोड़ करें तो प्रतोली में 'प्र' उपसर्ग आगे, सामने का अर्थ देगा और तोली- तुलना, तोलना या तौलना, जिसका अर्थ उठाना, ऊपर करना भी होता है। अब समेटें तो पोंड़ी के प्रतोली का 'प्र' हुआ रास्ता जिसमें ऊपर उठा होने का आशय जुड़ा है, जो रास्ते के बीच बने स्थापत्य (द्वार पर) के साथ ऊंचाई का अर्थ देगा। माना भी गया है-जैसा दक्षिण भारत में गोपुर वैसा उत्तर भारतीय स्थापत्य में 'प्रतोली'। और तोलने में ऊपर उठाना तो होता ही है, चाहे वह तराजू हो या किसी वस्तु का भार अनुमान करने के लिए उसे हाथ में ले कर ऊपर उठाना।इसके साथ यह ऊंचाई (पहाड़ी) की ओर जाने का मार्ग भी संभव है। अब एक बार फिर से यहां आए शब्दों को दुहरा कर देखिए, इस रास्ते पर चल कर कहां तक पहुंच पाते हैं। यहां कुछ दाएं-बाएं के संकेत भी छोड़े गए हैं, आपके भटकने की पसंद और सुविधा का ध्यान रखते हुए। मेरे पूर्वजों ने पोंड़ीशंकर से अकलतरा तक का रास्ता नापा, और उसके पार है पोंड़ी गांव होकर दल्हा पहाड़ पर चढ़ने का रास्ता।

भाजपा की सोशल इंजीनियरिंग

छत्तीसगढ़ में सत्ता बंटवारे के लागू किए गए फॉर्मूले से साफ है कि अपनी हिंदुत्व की परियोजना में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा ने सोशल इंजीनियरिंग की अपनी रणनीति के जरिए विभिन्न जातियों और समुदायों को समाहित कर लिया है।

भारतीय जनता पार्टी ने छत्तीसगढ़ में सत्ता साझा करने का जो मॉडल अपनाया है, उसमें विपक्ष और देश के लिबरल खेमे के लिए एक बड़ी सीख छिपी है। सबक यह है कि जातीय-सामुदायिक पहचान की राजनीति के जरिए भाजपा को मात देने की सोच अब बेबुनियाद हो चुकी है। यह सोच इस समझ पर टिकी है कि भाजपा मुख्य रूप से सवर्ण हिंदुओं की पार्टी है, जिसका अनिवार्य रूप से पिछड़ी और दलित

जातियों एवं आदिवासी और अल्पसंख्यक समुदायों से अंतर्विरोध है। मुमकिन है कि यह अंतर्विरोध इस रूप में वास्तविक हो कि भाजपा की हिंदुत्व की राजनीति अंतत- पारंपरिक सामाजिक वर्चस्व को पुनर्स्थापित करने के मकसद से प्रेरित है। मगर इसका दूसरा पहलू यह है कि अपनी इस परियोजना में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा ने सोशल इंजीनियरिंग की अपनी रणनीति के जरिए विभिन्न जातियों और समुदायों को समाहित कर लिया है। इसके लिए जहां उन्हें जरूरी महसूस होता है, वे इन जातियों और समुदायों को उचित प्रतिनिधित्व देते हैं। छत्तीसगढ़ में एक आदिवासी नेता को मुख्यमंत्री बनाने के साथ-साथ उन्होंने एक ओबीसी और एक सवर्ण को उप-मुख्यमंत्री और एक सवर्ण को विधानसभा स्पीकर बनाने का फॉर्मूला लागू कर किया है। इस तरह उन्होंने चुनाव जिताऊ समीकरण को प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व दे दिया है। इसका संदेश दूसरे राज्यों तक जाएगा। इस बीच आदिवासी समुदाय में अपनी पैठ और गहरी बनाने के लिए लिहाज से आरएसएस से जुड़े जनजाति सुरक्षा मंच ने उन आदिवासियों को जनजाति सूची से हटाने की मुहिम शुरू की है, जो ईसाई बन गए हैं। इस तरह आदिवासी समुदायों के भीतर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की राजनीति आगे बढ़ाई जा रही है। अनुमान लगाया जा सकता है कि इसका चुनावी लाभ भाजपा को ही मिलेगा। इस तरह जातीय या सामुदायिक गोलबंदी अब भाजपा का कारगर सियासी औजार बन गई है। यानी उसने ऐसी रणनीतियों के भरोसे बैठे विपक्ष को उसके ही खेल में मात दे दी है। अब अगर यहां से विपक्ष को फिर से खड़ा होना है, तो उसे नई रणनीति सोचनी होगी। फिलहाल, इस कार्य में विपक्ष और लिबरल बुद्धिजीवी अक्षम नजर आते हैं। इसलिए भाजपा बेजोड़ बनी हुई है।(आरएनएस)

मां का दूध हर तरह के संक्रमण से नवजात की रक्षा करता है

मां के दूध में पाया जाने वाला एक खास किस्म का शक्कर नवजात की कई हानिकारक जीवाणुओं से रक्षा करता है। दुनियाभर में गर्भवती महिलाओं में आम तौर पर पाया जाने वाला ग्रुप बी स्ट्रेप जीवाणु नवजातों में संक्रमण पैदा कर सकता है जिससे शिशु को सेप्सिस या निमोनिया जैसी गंभीर बीमारी होने का खतरा रहता है।

संक्रमण के गंभीर होने के कारण कई बार शिशु की मौत तक हो जाती है। ऐसा इसलिए क्योंकि नवजातों में प्रतिरक्षातंत्र पूरी तरह से विकसित नहीं हो पाता है। इस अध्ययन में यह बात सामने आयी है कि मां के दूध से मिलने वाला शक्कर एक ऐंटीबायोफिल्म की तरह काम करता है। मां के दूध में पाए जाने वाले कार्बोहाइड्रेट के इस गुण को सामने लाने वाला यह पहला उदाहरण है।

अमेरिका के टेनिसी में स्थित वैंडरबिल्ट यूनिवर्सिटी के सहायक प्रफेसर स्टीवन टाउनसेंड के अनुसार, मां के दूध में पाए जाने वाले इस तत्व की सबसे अविश्वसनीय खासियत है कि इसमें विषाक्तता बिल्कुल नहीं होती, जैसा कि अन्य ऐंटीबायॉटिक्स में होता है। अध्ययन के नतीजे वॉशिंगटन में हुए 254वीं अमेरिकन केमिकल सोसायटी की राष्ट्रीय बैठक में प्रदर्शित किए गए।

करीब 10 साल पहले अनुसंधानकर्ताओं ने एक अध्ययन में पाया था कि गर्भवती महिलाओं में ग्रुप बी स्ट्रेप जीवाणु होते हैं और ये रोगाणु स्तनपान के जरिए नवजातों में चले जाते हैं। लेकिन अधिकांश नवजात इस जीवाणु की चपेट में आने से बच जाते हैं। लिहाजा अनुसंधानकर्ता यह देखना चाहते थे कि मां के दूध में ऐसे कौन से तत्व पाए जाते हैं जो इन जीवाणुओं से लड़ने का काम करते हैं।

दूर भगाएं अंडरआर्म्स के कालेपन को

आजकल फैशन में स्लीवलैस ड्रेस और ऑफ शोल्डर ड्रेसेस का खूब फैशन है, हर इवेंट और पब्लिक प्लेस में आराम से गर्ल्स को ऐसी ड्रेसेज पहने देखा जा सकता है। लड़कियों के अलावा आजकल उम्र दराज महिलाएं भी वेस्टर्न ड्रेसेज पहनने से नहीं कतराती है। लेकिन स्लीवलैस और ऑफ शॉल्डर ड्रेसेज पहनते समय सबसे पहले आर्मपिट का ख्याल आता है। हाथ उठाते वक्त उन्हें अंडरआर्मस का ध्यान रखना पड़ता है। डार्क आर्मपिट की वजह से कई बार शर्मिंदगी उठानी पड़ती है। इस समस्या से निजात पाने के लिए लोग तरह-तरह के कास्मेटिक प्रॉडक्ट्स को इस्तेमाल करते हैं। जिनसे कई बार हमारी स्किन पर रिएक्शन हो जाते हैं।

आज हम आपको एक ऐसा घरेलू नुस्खा बता रहे हैं जिसके सिर्फ एक बार के प्रयोग से ही अंडरआर्मस का कालापन कम हो जाएगा।

चीनी से भगाएं कालापान अंडरआर्मस का कालापन कई वजहों से हो सकता है। कुछ लोग वहां ठीक से सफाई नहीं करते हैं तो कुछ लोग अंडरआर्मस के बाल हटाने के लिए घटिया कंपनी के प्रॉडक्ट्स इस्तेमाल करते हैं। आज हम यहां जिस घरेलू नुस्खे के बारे में बता रहे हैं वो हर किचन में पाई जाने वाली चीनी है। जी हां, चीनी सिर्फ चाय में मिठास ही नहीं बल्कि अंडरआर्मस का कालापन दूर करने के लिए चीनी वरदान साबित हुई है।

चीनी और शहद इस घरेलू उपाय को लगाने के लिए आपके पास चीनी के साथ अगर शहद भी है तो बहुत फायदा होगा। इसे लगाने के लिए एक बॉउल में इतनी चीनी और शहद रखें जितना आपको काले एरिये में लगाना है। अब इन्हें आपस में अच्छी तरह मिक्स करें और प्रभावित एरिये पर पहले हल्के हाथों से मसाज करें फिर इसे लगभग 15 मिनट तक छोड़ दें। अब गुनगुने पानी से धो लें।

चारकोल के साथ मिलाकर लगाएं इसके बाद आपको एक लेप और लगाना है। आपको बाजार में कहीं भी सस्ती कीमत पर चारकोल (कोयला) मिल जाएगा। चारकोल और शहद का मिश्रण बनाएं। अब इस मिश्रण को अंडरआर्मस पर लगाएं। इसे 15 मिनट तक छोड़ दें। अब गुनगुने पानी से धोएं। इस घरेलू नुस्खे को एक बार ट्राई करके के बाद फर्क आप खुद देखेंगे।

बोतल से दूध पीने की आदत कैसे छुड़ाएं

कहते हैं कि 6 महीने का होने तक शिशु को मां का दूध पिलाना अनिवार्य होता है। 6 महीने तक बच्चे को मां का ही दूध दिया जाता है। कई मांएं ऑफिस जाने या किसी अन्य वजह से बच्चों को बोतल से दूध पिलाना शुरू कर देती हैं। कई बच्चे बोतल से दूध पीना शुरू करने के बाद उसे छोड़ते ही नहीं हैं। बच्चों को बोतल से दूध पीने की आदत को छुड़वाना बहुत मुश्किल होता है। ये मांओं के लिए एक चुनौती होती है जिसे पूरा करना मुश्किल के साथ-साथ जरूरी भी होता है। अगर आपका बच्चा भी बोतल से दूध पीता है तो आपको जान लेना चाहिए कि किस उम्र से बच्चे को बोतल का दूध देना बंद कर देना चाहिए और बोतल का दूध कैसे छुड़वाया जा सकता है। आप बच्चे को जितने लंबे समय तक बोतल से दूध पिलाएंगी, बाद में इस आदत को छोड़ना बच्चे के लिए उतना ही मुश्किल होता जाएगा। इसलिए बेहतर होगा कि आप कम समय के लिए ही बच्चे को बोतल से दूध पिलाएं। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के अनुसार, 12 महीने के

बाद बच्चे को बोतल से दूध पिलाना शुरू कर सकते हैं। वहीं, 18 महीने का होने पर बोतल से दूध पीना बंद करवा देना चाहिए।

*एक साल का होने के बाद शिशु अपने आप कप पकड़ने लग जाता है। इस समय आप उसे बोतल की जगह कप से दूध पीने की आदत आसानी से डाल सकती हैं। जब भी आपको लगे कि आपका बच्चा अब खुद अपने आप बोतल या कप पकड़ सकता है, तब उसकी बोतल छुड़वाकर कप से दूध देना शुरू कर दें।

*अगर आप सोच रही हैं तो बच्चे की इस आदत को आप एक दिन में ही छुड़वा सकती हैं तो आप गलत हैं। आपको इस प्रक्रिया को धीरे-धीरे आगे बढ़ाना है। शुरुआत में एक बार बोतल से और एक बार कप से दूध पिलाएं और फिर धीरे-धीरे बोतल से दूध पिलाना कम करते जाएं।

*बोतल छुड़वाने का बेहतरीन विकल्प सिपी कप होते हैं। इसमें से दूध गिरता भी नहीं है और बच्चों को आसानी से इसकी आदत भी हो जाती है। बच्चे सिपी कप को दोनों तरफ से आसानी से पकड़ भी सकते हैं। वहीं बच्चों को सिपी कप दिखने में बहुत अच्छे लगते हैं।

*बोतल से दूध पीने की आदत छुड़वाने की एक बहुत पुरानी ट्रिक है जो आज भी काम करती है। आप अपने बच्चे को बोतल में जब भी दूध दें तो उसे पतला रखें और कप में गाढ़ा और दूध को टेस्टी बनाकर दें। इससे धीरे-धीरे बच्चे को समझ आने लगेगा कप का दूध ज्यादा टेस्टी है और वो बोतल की जगह कप से दूध पीना शुरू कर देगा।

कांग्रेस में भी जड़ता टूटेगी

हरिशंकर व्यास

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजों से ऐसी उम्मीद की जा सकती है कि जिस तरह भाजपा में यथास्थिति खत्म हो रही है या जड़ता टूट रही है उसी तरह कांग्रेस में भी जडता टूटेगी। तेलंगाना में यह देखने को मिला है। कांग्रेस ने बिल्कुल नए नेता रेवंत रेड्डी को राज्य का मुख्यमंत्री बना दिया। कांग्रेस के कई बड़े नेता उनके भी पीछे पड़े थे और प्रदेश के दूसरे रेड्डी नेताओं के साथ उनकी नहीं बन रही थी। लेकिन पार्टी आलाकमान ने उन पर भरोसा दिखाया। इससे नए नेतृत्व का दौर शुरू हुआ है।

माना जा रहा है कि राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस की जड़ता टूटेगी और नए लोगों को कमान मिलेगी। सोचें, मध्य प्रदेश में कमलनाथ छह साल से अध्यक्ष थे। वे मुख्यमंत्री बने तब भी अध्यक्ष रहे। उनकी उम्र भी 77 साल हो गई है। अब उनकी जगह नया अध्यक्ष आएगा। मध्य प्रदेश की राजनीति पिछले अनेक बरसों से दो चार पुराने नेता संचालित करते रहे हैं। अब उनके साथ साथ नए नेताओं को पार्टी मौका दे सकती है।

इसी तरह राजस्थान में पिछले 25 साल से सिर्फ दो लोग मुख्यमंत्री हुए। 15 साल अशोक गहलोत मुख्यमंत्री रहे और 1० साल वसुंधरा राजे ने सरकार चलाई। गहलोत 1998 में पहली बार मुख्यमंत्री बने थे। इस बार भी अगर कांग्रेस जीतती तो वे मुख्यमंत्री बनते। हारने के बाद यह तय है कि उनका राजनीतिक सूरज अस्त होगा। उनकी उम्र भी बहुत ज्यादा हो गई है। उनकी जगह नए नेता को कमान मिलेगी। गहलोत के साथ साथ कई नेता राजनीतिक बियाबान में जा सकते हैं। चुनाव हारे और जीते कई नेताओं को हटा कर कांग्रेस नए नेताओं को आगे कर सकती है।

छत्तीसगढ़ सहित दूसरे कई राज्यों में भी यह प्रक्रिया आजमाई जा सकती है। कांग्रेस में ओल्ड गार्ड बनाम नए नेताओं की बहस बरसों से चल रही है। लेकिन पांच राज्यों के चुनाव नतीजों ने इस बहस को निर्णायक अंत की ओर बढ़ा दिया है। चुनाव नतीजों से कांग्रेस आलाकमान को मौका मिल गया है। अगर हार के सदमे से उबर कर कांग्रेस इसे सकारात्मक रुप में लेती है तो वह अपने संगठन का ढांचा पूरी तरह से बदलने के बारे में सोच सकती है। कांग्रेस का कायाकल्प करने की शुरुआत इससे हो सकती है। (आरएनएस)

उत्तर-दक्षिण: विवेकहीन विवाद

जो (कु)तर्क सोशल मीडिया पर बहुचर्चित है, डीएमके के नेता डीएनवी सेंतिलकुमार ने उसे संसद में कह दिया। (कु)तर्क यह है कि दक्षिण भारत प्रगतिशील और विकसित है, इसलिए वहां भारतीय जनता पार्टी चुनाव नहीं जीत पाती। जबकि उत्तर भारत गोबर पट्टी या गौ मूत्र प्रदेश है, इसलिए वह हिंदुत्ववादी भाजपा का गढ़ बना हुआ है। यह चर्चा पिछले रविवार को चार राज्यों के आए चुनाव नतीजों के बाद आगे बढ़ी।

रविवार को दक्षिण भारत के तेलंगाना में कांग्रेस विजयी रही, जबकि हिंदी भाषी राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा को बड़ी जीत मिली। मगर क्या चुनाव नतीजों को इस रूप में समझना सही नजरिया है? प्रश्न है कि क्या कर्नाटक दक्षिण भारत में नहीं है, जहां से पिछले दो लोकसभा चुनावों में भाजपा को 28 में 25 तक सीटें मिली हैं? और तेलंगाना में इसी बार भाजपा के वोट प्रतिशत बढ?र लगभग दो गुना हो गया, जबकि उसकी सीटें एक से बढ?र आठ तक पहुंच गईं। तो इसे किस रूप में देखा जाएगा?

सेंतिलकुमार ने बाद में माफी मांग ली, लेकिन उनकी जैसी सोच वाले लोगों को यह भी बताना चाहिए कि जब डीएमके अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में शामिल हुई थी, तब क्या उसने ऐसा गौ मूत्र को अपना कर किया था? और अगर अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा को दक्षिण भारत से पिछली बार से अधिक सीटें मिलीं (जिसकी संभावना है), तो क्या यह कहा जाएगा कि दक्षिण भारत में भी गौ मूत्र का प्रसार हो रहा है? कहने का तात्पर्य यह कि राजनीतिक परिघटनाओं को इस रूप में देखना सिर्फ इन्हें समझ सकने की अपनी अयोग्यता और उससे पैदा हुए असंतोष को जाहिर करता है। बेशक भाजपा की विचारधारा हिंदुत्व है, जिसमें हिंदी भाषा की प्रमुखता का विशेष स्थान है। इसके प्रति अभी या भविष्य में अहिंदी भाषी राज्यों में विरोध भाव पैदा हो सकता है। जबकि हिंदी भाषी प्रदेशों में यह एजेंडा भाजपा के लिए एक हद तक लाभदायक साबित हो सकता है। इस रूप में हिंदी भाषी और अहिंदी भाषी राज्यों में अंतर्विरोध उभर सकते हैं। मगर इसे प्रगतिशीलता बनाम रूढ़िवाद के रूप में देखना एक विवेकहीन नजिरया है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

कोल्ड ड्रिंक पीने की है लत तो हो जाएं अलर्ट!

कहीं आप रोजाना कोल्ड ड्रिंक तो नही पी रहे हैं? अगर हां तो यह खबर सुनकर आप सोच में जरूर पड़ जाएंगे। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अगर रोजाना कोल्ड ड्रिंक पीने की है लत तो इसकी वजह से आपको गंभीर बीमारी हो सकती है। जिनके बारे में शायद ही आप सोच सकते हैं।ज्यादा कोल्ड ड्रिंक पीने के कारण काफी ज्यादा वजन बढ़ सकता है।

कोल्ड ड्रिंक में हाई फरुक्टोज कॉर्न सिरप और दूसरे तरह की शुगर होती है। इसमें पोषण नहीं बल्कि कैलोरी की मात्रा होती है। ज्यादा कैलोरी के कारण मोटापा का खतरा अधिक बढ़ जाता है। कोल्ड ड्रिंक में काफी ज्यादा हाई लेवल का शुगर होता है। जिसके कारण टाइप-2 डायबिटीज का शिकार हो जाते हैं। इसमें इतना ज्यादा शुगर होता है कि इंसुलिन पर भी असर पड़ता है। जिसमें ब्लड में शुगर का लेवल बढ़ता है।

कोल्ड ड्रिंक में एसिड और चीनी काफी मात्रा में होता है

सोडा में एसिड और चीनी काफी ज्यादा मात्रा में होता है जिसके कारण दांत पर खतरनाक असर पड़ सकता है। एसिड के कारण दांत का इनेमल भी खराब हो सकता है। साथ ही साथ दांत डैमेज और कैविटी से भरपूर हो सकता है। सोडा के कारण मुंह में बैक्टीरिया का खतरा बढ़ सकता है। जिससे मसूड़े में सूजन हो सकती है। सोडा में फॉस्फोरिक एसिड काफी ज्यादा होता है। जिसके कारण शरीर में कैल्शियम की कमी होने लगती है। अगर आप इसे ज्यादा पिएंगे तो हड्डियां कमजोर हो जाती है।

जिसकी वजह से ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ सकता है। कोल्ड ड्रिंक में चीनी की मात्रा काफी ज्यादा अधिक होती है। इससे हाई बीपी, हार्ट की बीमारी, मोटापा का खतरा बढ़ता है। कोल्ड ड्रिंक पीने के कारण लिवर और पाचन संबंधी बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। कोल्ड ड्रिंक में पाई जाने वाली चीनी खाने के कारण फैटी लिवर का खतरा बढ़ जाता है। जिसके कारण का खतरा बढ़ जाता है।

किचन की होने वाली चिक-चिक से हैं परेशान? अपनाएं ये टिप्स एंड ट्रिक्स

किचन में काम करने के दौरान हमें कई सारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है. लेकिन आज हम आपको कुछ टिप्स बताएंगे, जिसे अपनाकर आप चिक-चिक से छूटकारा पा सकते हैं.आइए जानते हैं कैसें?

जला हुआ खाना

कई बार ऐसा होता है कि हम खाने बना रहे हैं और वो नीचे से जल जाता है. तो अगर खाना बनाते समय बर्तन जलने लगे तो खाना दूसरे बर्तन में डाल देना चाहिए. ऐसा करने से जलने की बदबू खाने में नहीं आएंगी और बर्तन भी नहीं जलेगा.

नमक ज्यादा हुआ तो करें ये काम

कभी-कभी आप से भी सब्जी और किसी और चींज में नमक ज्यादा हो जाता होगा. अगर अब किसी चींज में नमक

ज्यादा हो जाएं तो उसमें दही, नारियल पेस्ट या फिर ब्रेड डालकर पानी मिला दें. अगर आप दही नहीं खाते हैं तो आप इसमें नींबू का रस या घी भी मिला सकते हैं ऐसा करने से सब्जी का नमक कम हो जाएगा और स्वाद भी और अच्छा हो जाएगा.

मिर्च ज्यादा हो जाएं तो क्या करें

नमक के साथ-साथ कई बार खाने में मिर्च में ज्यादा हो जाती है. अगर अब कभी मिर्ची ज्यादा हो जाएं तो उसमें क्रीम या मावा का पेस्ट मिला दें ऐसा करने से सब्जी से मिर्ची कम हो जाती है. ऐसा करने में आपको समय भी कम लगेगा.

मिर्च खराब होने से बचाएं

कभी कभी आपने देखा होगा कि मिर्च जल्दी खराब हो जाती है. अगर आपको भी मिर्च को सूखने से बचाना है तो आप उसका डंठल को हटाकर सूखी जगह पर रख दो.

चुकंदर छीलने की ट्रिक्स

किचन में चुकंदर छीलना भी एक बड़ा काम है. इसके लिए सबसे पहले चुकंदर को धोकर साफ कर लें. फिर छोटे चम्मच की मदद से चुकंदर को खुरचें. आप देखेंगे कि चुकंदर बिल्कुल साफ हो जाएगा. ऐसा करने में आपको ज्यादा समय भी नहीं लगेगा. (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -034

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

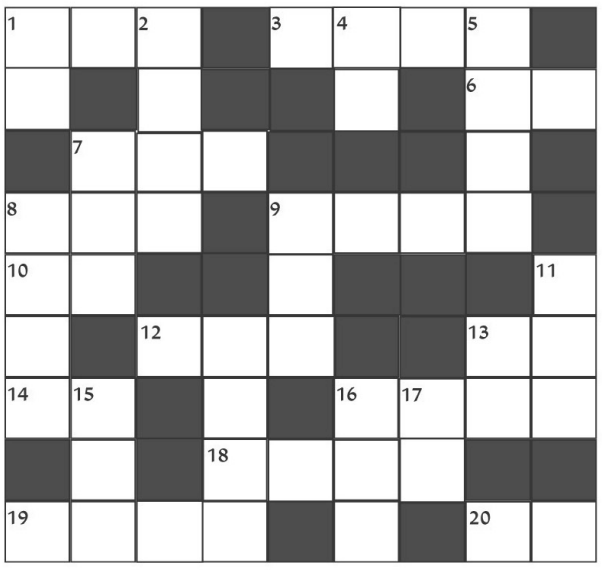

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 33 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

एनिमल बनी दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म

रणबीर कपूर और बॉबी देओल की 'एनिमल' की गरज से बॉक्स ऑफिस कांप उठा है. इस फिल्म की दीवनगी रिलीज के बाद भी ऑडियंस के सिर चढ?र बोल रही है और सिनेमाघरों दर्शकों से खचाखच भरे हुए नजर आ रहें है. ऐसे में 'एनिमल' टिकट खिड?ी पर हर दिन तमाम फिल्मों के रिकॉर्ड तोडने के साथ जमकर कलेक्शन भी कर रही है. एक्शन, क्राइम, इंटिमेशन, इमोशन और रोमांस सहित फुल एंटरटेमेंट मसाले से भरी 'एनिमल' बॉक्स ऑफिस पर रिलीज के पहले दिन से ही गर्दा उड़ा रही है. फिल्म को ऑडियंस का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है और ये सिलसिला रिलीज के 10 दिन बाद भी थमने का नाम नहीं ले रहा है. 'एनिमल' ने रिलीज के पहले हफ्ते में 337.58 करोड़ का धुआंधार कलेक्शन किया था. फिल्म जमकर कारोबार कर रही है. जहां फिल्म ने सेकंड फ्राइडे 22.95 करोड़ का कलेक्शन किया तो दूसरे शनिवार फिल्म की कमाई में 51.37 फीसदी उछाल आया और 'एनिमल' ने 34.74 करोड़ का कलेक्शन किया. 'एनिमल' रिलीज के 10वें दिन सबसे ज्यादा कलेक्शन करने वाली दूसरी फिल्म बन चुकी है. इस फिल्म ने 10वें दिन की कमाई में कई फिल्मों को पछाड़ दिया है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक 'एनिमल' जिन फिल्मों का रिकॉर्ड तोड?र 10वें दिन के हाईएस्ट कलेक्शन की लिस्ट में दूसरे नंबर पर पहुंच गई है उनमें- 'गदर 2 की 10वें दिन की कमाई-38.9 करोड़ रुपये, एनिमल' का 10वें दिन का कलेक्शन- 37 करोड़, दंगल का 10वें दिन का कलेक्शन- 30.69 करोड़ रुपये, जवान की 10वें दिन की कमाई- 30.1 करोड़ रुपये संजू का 10वें दिन का कलेक्शन- 28.05 करोड़ रुपये, टाइगर जिंदा है का 10वें दिन का कारोबार- 22.23 करोड़ रुपये, पठान का 10वें दिन का कलेक्शन- 13.5 करोड़ रुपये। बता दें कि 'एनिमल' को संदीप रेड्डी वांगा ने डायरेक्ट किया है. फिल्म में रणबीर कपूर के अलावा रश्मिका मंदाना, बॉबी देओल, अनिल कपूर और तृप्ति डिमरी ने अहम रोल प्ले किया है. ये फिल्म सिनेमाघरों में एक दिसंबर को रिलीज हुई थी.

सैम बहादुर को पछाड़ नानी की हाय नन्ना ने की धमाकेदार कमाई

साउथ फिल्म हाय नन्ना बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्मेंस दे रही है. फिल्म में एक्टर नानी और मृणाल ठाकुर की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को काफी पसंद आ रही है. ऐसे में दर्शक फिल्म को अपना भरपूर प्यार दे रहे हैं. फिल्म 7 दिसंबर को थिएटर्स में रिलीज हुई थी और पहले दिन ही इसने 4.9 करोड़ रुपए की ओपनिंग की थी. वहीं अब फिल्म को रिलीज हुए 4 दिन हो गए हैं और इन चार दिनों में इसने 25 करोड़ से ज्यादा का कारोबार कर लिया है.

सैकनिल्क की रिपोर्ट की मानें तो हाय नन्ना ने जहां पहले दिन 4.9 करोड़ रुपए कमाए थे तो वहीं दूसरे दिन फिल्म का कलेक्शन 4.05 करोड़ रहा था. तीसरे दिन फिल्म को वीकेंड का फायदा मिला और इसने 7.6 करोड़ का शानदार बिजनेस किया. वहीं अब चौथे दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं जिसके मुताबिक फिल्म ने संडे को 8 करोड़ रुपए कमाए हैं. इसी के साथ फिल्म का टोटल कलेक्शन 25.05 करोड़ रुपए हो गया है. बता दें कि हाय नन्ना ने अपने चौथे दिन के कलेक्शन में विक्की कौशल की बायोग्राफिकल फिल्म सैम बहादुर को मात दे दी है. सैम बहादुर 1 दिसंबर को थिएटर्स में रिलीज हुई थी. फिल्म शुरुआत से ही अच्छा कलेक्शन कर रही है. रिलीज के सेकेंड संडे (10वें दिन) भी सैम बहादुर ने 7.50 करोड़ रुपए की कमाई की है. यह कलेक्शन नानी की हाय नन्ना से कम है जिसने 8 करोड़ रुपए का कारोबार किया है.

नानी और मृणाल ठाकुर की फिल्म हाय नन्ना की स्टोरीलाइन दर्शकों का दिल जीत रही है. यह बाप-बेटी की जिंदगी के खूबसूरत रिश्ते की कहानी है. फिल्म में मृणाल ठाकुर के अलावा श्रुति हासन भी अहम किरदार निभाती नजर आई है.

हिना खान ने स्टाइलिश लुक से चलाया हुस्न का जादू

हिना खान टीवी जगत की स्टाइलिश और ग्लैमरस एक्ट्रेस हैं. हिना का स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक अक्सर इंटरनेट पर वायरल रहता है. एक बार फिर एक्ट्रेस ने इंटरनेट पर अपने स्टाइलिश लुक से तहलका मचा दिया है. हिना खान वाइट कलर की ड्रेस में बेहद ग्लैमरस लग रही हैं. इंटरनेट पर उनके इस अवतार को काफी पसंद किया जा रहा है.

हिना खान के स्टाइलिश लुक की बात करें तो हिना खान व्हाइट कलर की ड्रेस में बेहद ग्लैमरस लग रही हैं. व्हाइट ड्रेस के साथ एक्ट्रेस ने मैरून कलर की लिपस्टिक लगाई हुई हैं. गोल्डन आई मेकअप और बन हेयरस्टाइल में एक्ट्रेस बेहद खूबसूरत लग रही हैं. सोशल मीडिया पर उनके इस अवतार को काफी पसंद किया जा रहा है.

हिना खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो हिना खान ने अपने करियर की शुरुआत टीवी सीरियल ये रिश्ता क्या कहलाता है से की है. सीरियल में उनके अक्षरा के किरदार को काफी पसंद किया गया. इसके बाद वह बिग बॉस में नजर आई हैं. हिना खान टीवी सीरियल के अलावा फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं. हिना खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. उनका इंस्टाग्राम उनकी खूबसूरत फोटो और वीडियो से भरा हुआ हैं. जिसकी एक झलक आप उनके इंस्टाग्राम पर देख सकते हैं. हिना खान अक्सर अपने फैशन सेंस लाखों फैंस को हैरान कर देती है.

कांतारा के प्रीक्वल का बजट हुआ दोगुना, कहानी से भी हटा पर्दा

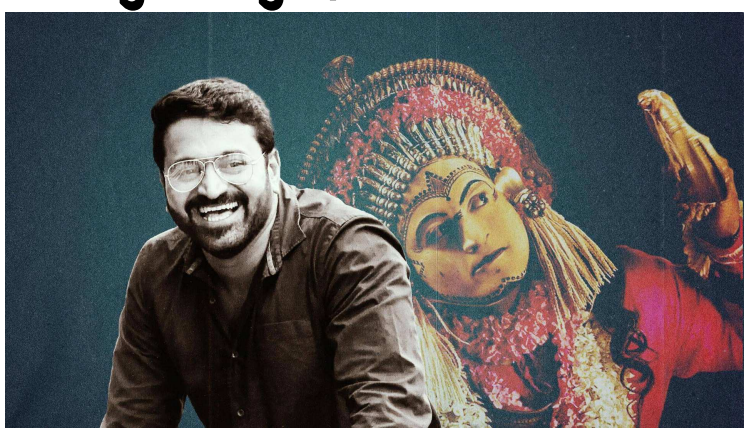

ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा 2002 की ब्लॉकबस्टर फिल्मों में शुमार है। इसने बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई की। लिहाजा दर्शक इसके दूसरे भाग के इंतजार में थे।हाल ही में फिल्म के प्रीक्वल कांतारा ए लीजेंड- चैप्टर 1 का पहला लुक जारी हुआ था, जिसने दर्शकों को इसकी रिलीज को लेकर और उत्साहित कर दिया है।अब फिल्म को लेकर नई जानकारियां सामने आई हैं और बताया गया है कि प्रीक्वल को बड़े पैमाने पर बनाया जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में फिल्म के निर्माता विजय किरागांदुर ने बताया कि यह कर्नाटक के तटीय इलाकों की कहानी है, जिसे परशुराम ने रचा था। इस कहानी में शिव की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। इसके पोस्टर को शिव और परशुराम के प्रतीकात्मक रूप में ही बनाया गया है।मालूम हो कि जारी किए गए पोस्टर में ऋषभ कुल्हाड़ी और त्रिशूल पकड़े हुए नजर आए थे। फिल्म में स्थानीय संस्कृति के बारे में विस्तार से जानकारी दिखाई जाएगी।

इस दौरान निर्माता किरागांदुर ने खुलासा किया कि कंतारा ए लीजेंड-चैप्टर 1 के पहले लुक को तैयार करने में ही 10 दिन का समय लग गया था।उन्होंने बताया कि हर महीने फिल्म की 10-15 दिन शूटिंग की जाएगी। ऐसे में 6 से 8 महीने के भीतर शूटिंग पूरी हो जाएगी। उसके बाद पोस्ट-प्रोडक्शन में 3-4 महीने का समय लगेंगे।निर्माता ने यह भी बताया कि ज्यादातर शूटिंग श्रीलंका के घने जंगल में की जाएगी।

किरागांदुर ने यह भी बताया कि प्रीक्वल को इसके पहले भाग की तुलना में भव्य स्तर पर बनाया जाएगा। इस भाग में प्राचीन काल के संदर्भ में ज्यादा बड़ा सेट और जगह बनाई जाएंगी। ऐसे में फिल्म का बजट भी बढ़ गया है।कांतारा के प्रीक्वल का बजट पहले भाग से दोगुना हो गया है।16 करोड़ रुपये की लागत में बनी कांतारा ने 450 करोड़ रुपये का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया था।

कांतारा की कहानी कर्नाटक के एक गांव की है, जिसमें ऋषभ ने शिवा का किरदार निभाया है। शिवा गांव का रखवाला है और देवता के लिए दी गई पूर्वजों की जमीन को बचाने की कोशिश में जुटा हुआ है।दरअसल, मंगलौर के राजा को जंगल में पत्थर के रूप में ये देवता मिले थे, जिन्होंने शर्त रखी कि राजा ये जमीन गांव वालों को दान कर दें। ऐसे करने से राजा को सुख-शांति मिलेगी, वहीं शर्त तोडने पर विनाश होगा।

ऋषभ के निर्देशन में बनी फिल्म कांतारा को सर्वश्रेष्ठ अभिनता और सर्वश्रेष्ठ फिल्म की श्रेणी में ऑस्कर पुरस्कार के लिए भेजा गया था। हालांकि, यह फिल्म नामंकन पाने से चूक गई और ऑस्कर की रेस से बाहर हो गई थी।(आरएनएस)

मलाइका अरोड़ा ने बॉसी स्टाइल से फिर लूटी वाहवाही

50 साल की उम्र में भी मलाइका अरोड़ा की हॉटनेस के आगे अच्छी-अच्छी बॉलीवुड एक्ट्रेस फेल हो जाती हैं। अक्सर मलाइका अपने इंस्टा अकाउंट पर बोल्ड तस्वीरों से फैंस के पसीने छुड़ा देती हैं। हाल ही में उन्होंने कुछ ऐसी ही तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वह बेहद बोल्ड और खूबसूरत नजर आ रही हैं।

बॉलीवुड की सबसे बोल्ड और सेंसेशनल एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस हर रोज अपने इंस्टा अकाउंट पर कुछ न कुछ वीडियो या फोटोज शेयर करती रहती हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस ने ऐसी ही कुछ क्लासिक बॉसी स्टाइल में तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिनमें वह बेहद खूबसूरत और गॉर्जियस नजर आ रही हैं। अदाकारा मलाइका अरोड़ा ने अपने बॉसी स्टाइल और बोल्ड लुक से फैंस के बीच खलबली मचा दी है। अदाकारा की ये तस्वीरें खूब चर्चा में हैं। सफ़ेद कलर के कोट में एक्ट्रेस बेहद स्टाइलिश नजर आ रही हैं। कभी मलाइका ने अपनी अपनी मुस्कान से तो कभी सिजलिंग पोज से अदाओं के तीर चलाए। मलाइका की यह बॉसी लुक वाली तस्वीरें जल्द ही सोशल मीडिया पर वायरल होने वाली हैं। मलाइका अरोड़ा इंस्टा पर काफी एक्टिव रहती हैं और उनकी यहां तगड़ी फैन फॉलोइंग है। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस को करीब 19 मिलियन लोग फॉलो करते हैं।

अनन्या, आदर्श और सिद्धांत की तिकड़ी ने जमाया रंग

द आर्चीज के बाद निर्देशक जोया अख्तर अपनी अगली फिल्म खो गए हम कहां की रिलीज के लिए तैयार हैं। हालांकि, वह इससे बतौर निर्माता और लेखक जुड़ी हैं।फिल्म में अनन्या पांडे, सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव नजर आएंगे। पहली बार यह तिकड़ी साथ काम कर रही है। हालांकि, अन्नया और सिद्धांत इससे पहले फिल्म गहराइयां में साथ दिख चुके हैं।अब वे फिल्म खो गए हम कहां के लिए साथ आए हैं, जिसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है।

अनन्या, सिद्धांत और आदर्श दोस्त हैं और पूरी फिल्म इन्हीं 3 दोस्तों की दोस्ती के इर्द-गिर्द बुनी गई है।ट्रेलर में सिद्धांत दूसरों की जिंदगी में तांक-झांक न करने का सुझाव देते दिख रहे हैं, वहीं इसमें कल्कि कोचलीन के साथ उनका रोमांस भी देखने को मिल रहा है।दोस्तों की मस्ती से लेकर ब्रेकअप तक इसमें काफी कुछ है, जिससे आप खुद को जोड़ पाएंगे। ट्रेलर देख तो लगता है कि फिल्म युवाओं को पसंद आने वाली है।

खो गए हम कहां अर्जुन वरैन सिंह के निर्देशन में बन रही है। जोया ने अपनी जोड़ीदार रीमा कागती के साथ मिलकर यह फिल्म लिखी है।फिल्म 26 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। कुछ ही दिन पहले इससे कलाकारों की झलक सामने आई थी। फिल्म का पहला गाना होने दो जो होता है भी रिलीज हो चुका है, जिसके बोल जोया के पिता जावेद अख्तर ने लिखे हैं।फरहान अख्तर और रितेश सिद्धवानी इस फिल्म के सह-निर्माता हैं।

जोया फिल्म द आर्चीज को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इससे शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान, बोनी कपूर की बेटी खुशी कपूर और अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा ने बॉलीवुड में कदम रखा है।खास बात यह है कि ये तीनों ही स्टारकिड्स ने फिल्म में शानदार काम किया है।उनके अलावा वेदांग रैना और मिहिर आहूजा जैसे फिल्म का हर कलाकार अभिनय के मोर्चे पर खरा उतरा है। द आर्चीज 7 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर आई है। अनन्या पहली बार विक्रमादित्य मोटवानी के साथ उनकी साइबर थ्रिलर फिल्म कंट्रोल में नजर आने वाली हैं। अक्षय कुमार के साथ फिल्म द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सी शंकरन नायर भी उनके पास है। वह वेब सीरीज कॉल मी बे को लेकर भी चर्चा में हैं।उधर सिद्धांत युधरा और संजय लीला भंसाली की एक फिल्म में नजर आएंगे।दूसरी तरफ फिल्म द व्हाइट टाइगर से दुनियाभर में नाम कमा चुके आदर्श हॉलीवुड प्रीक्वल सीरीज एलियन का हिस्सा हैं।

स्वतंत्रता पर प्रहार मानव अधिकारों का हनन

डॉ. केशव पाण्डेय

स्वतंत्रता के साथ जीवन यापन करना हर एक इंसान का अधिकार है। यदि इस पर किसी प्रकार का कुठाराघात होता तो वह मानव अधिकारों का हनन है। मानवाधिकार देश और दुनिया में प्रत्येक नागरिक को स्वतंत्र रूप से सोचने, विवेक और धर्म की स्वतंत्रता के साथ ही ईमानदार विश्वासों का निर्माण करने का अधिकार देता है। इसके तहत व्यक्ति अपनी पसंद के अनुरूप किसी भी धर्म का पालन करने और अपनी इच्छानुसार बदलने के लिए स्वतंत्र है। ये मानव के वे अधिकार हैं जो विश्वव्यापी हैं और वैश्विक कानूनों द्वारा संरक्षित हैं। बदलते वक्त के साथ ही इसमें भी बदलाव आया है। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर जानते हैं इसका महत्व।*

1० दिसंबर को दुनियाभर में मानव अधिकार दिवस मनाया जाता है। जो शांति, समानता, न्याय, स्वतंत्रता और मानव गरिमा की सुरक्षा को बढ़ावा देता है। 1948 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया था। अपनी प्रस्तावना में यूडीएचआर ने अंतर्निहित गरिमा की मान्यता और मानव परिवार के सभी सदस्यों के समान अधिकारों की मान्यता पर प्रकाश डाला है, जो दुनिया में स्वतंत्रता, न्याय और शांति की नींव है। 195० में दिवस की आधिकारिक घोषणा की गई। 28 सितंबर 1993 को भारत में अमल में लाया गया। इसी के तहत 12 अक्टूबर 1993 को मानव अधिकार आयोग गठित हुआ।

मानव अधिकार का आशय ऐसे अधिकारों से है- जो जाति, लिंग, राष्ट्रीयता, भाषा, धर्म या किसी अन्य आधार पर भेदभाव किये बिना सभी को प्राप्त होते हैं। सार्वभौमिकता के तहत अधिकारों और स्वतंत्रताओं से संबंधित कुल 3० अनुच्छेदों को सम्मिलित किया गया है। जिसमें जीवन, स्वतंत्रता और गोपनीयता जैसे नागरिक और राजनीतिक अधिकार तथा सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं शिक्षा जैस आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार शामिल हैं। भारत ने मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा के प्रारूपण में सक्रिय भूमिका निभाई है।

कन्वेंशन ऑन द प्रिवेंशन एंड पनिशमेंट ऑफ द क्राइम ऑफ जेनोसाइड (वर्ष 1948)। इंटरनेशनल कन्वेंशन ऑन द एलिमिनेशन ऑफ ऑल फॉर्म ऑफ रेसियल डिस्क्रिमिनेशन (वर्ष 1965)। डिस्क्रिमिनेशन अगेंसट् विमेन (वर्ष 1989)। विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों पर कन्वेंशन (वर्ष 2००6)। भारत इन सभी कान्वेंशन्स का हिस्सा है।

मानवाधिकार परिषद् संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के भीतर एक अंतर-सरकारी निकाय है, जो मानव अधिकारों के संवर्द्धन और संरक्षण के प्रतिबद्ध है। यह संयुक्त राष्ट्र के 47 सदस्य देशों से मिलकर बनी है, जिनका चयन संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा किया जाता है।

प्रत्येक चार वर्ष में एक बार संयुक्त राष्ट्र के सभी 192 सदस्य देशों के मानवाधिकार रिकॉर्ड की समीक्षा की जाती है। क्योंकि मानव अधिकार वे मानदंड हैं जो मानव व्यवहार के मानकों को स्पष्ट करते हैं। एक इंसान होने के नाते ये वो मौलिक अधिकार हैं जिनका प्रत्येक व्यक्ति स्वाभाविक रूप से हकदार है।

मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा में उल्लेखित लगभग सभी अधिकारों को भारतीय संविधान में दो हिस्सों-मौलिक अधिकार और राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांत में शामिल हैं। मौलिक अधिकार- संविधान के अनुच्छेद 12 से 35 तक। इसमें समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, सांस्कृतिक और शिक्षा संबंधी अधिकार तथा संवैधानिक उपचारों का अधिकार शामिल है।

मानवाधिकारों के संबंध में नेल्सन मंडेला ने कहा था, कि लोगों को उनके मानवाधिकारों से वंचित करना उनकी मानवता को चुनौती देना है। स्वतंत्रता पर प्रहार ही मानव अधिकारों का हनन है।

विडंबना देखिए कि कानून द्वारा संरक्षित इन अधिकारों में से कई लोगां द्वारा, यहां तक कि सरकारों और कानून के रक्षकों द्वारा भी उल्लंघन किया जाता है। मानवाधिकारों के उल्लंघन की निगरानी के लिए कई संगठन बनाए गए हैं। ये संगठन इन अधिकारों की सुरक्षा के लिए कदम उठाते हैं। लेकिन कई बार ऐसा देखने को मिलता है कि जिन लोगो के ऊपर मानव अधिकारों की रक्षा की जिम्मेदारी होती है वही अपनी शक्ति का दुरूपयोग कर मानव अधिकारों का हनन करने लगते हैं। इसीलिए इस बात को सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि देश के सभी व्यक्तियों को उनके मानव अधिकारों की प्राप्ति हो। ताकि वे शांति, समानता, गरिमा, न्याय और पूर्ण स्वतंत्रता के साथ जीवन यापन कर सकें।

जो बाइडन: कठिन है डगर पनघट की

श्रुति व्यास

अमेरिका एक बड़ा तबका परेशानहाल है। कारण- हाल में हुए जनमत सर्वेक्षणों के नतीजे। जो बाइडन अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंदी डोनाल्ड ट्रंप से पिछड़ रहे हैं। न्यूयार्क टाईम्स और सिएना कालेज के जनमत सर्वेक्षण से मालूम पड़ा कि प्रमुख राज्यों में ट्रंप, बाइडन से 1० पॉइंट आगे हैं। एनबीसी न्यूज द्वारा करवाए गए राष्ट्रस्तरीय जनमत सर्वेक्षण में ट्रंप, बाइडन से बहुत थोड़े अंतर पाए गए। इन परस्पर विरोधी आंकड़ों ने डेमोक्रेटों, बुद्धिजीवियों, अध्येताओं, डेमोक्रेट मतदाताओं और अमरीका के शुभचिंतकों के बीच चिंता की लहर पैदा कर दी है। यह साफ है कि बाइडन में लोगों का भरोसा कम हो रहा है। और यह इस तथ्य के बावजूद कि जो बाइडन का पहला कार्यकाल काफी हद तक सफल कहा जा सकता है। वे देश के हालात सामान्य बना सके। उन्होंने अपने पूर्ववर्ती को, देश को और अधिक नुकसान नहीं पहुंचाने दिया। उन्होंने यूक्रेन पर हुए आक्रमण और इजराइल-हमास युद्ध - दोनों मामलों में दृढ़ता का परिचय दिया।

लेकिन इसके बावजूद चुनावों के एक साल पहले बाइडन देश की पहली पसंद नहीं हैं। सवाल है कौनसी बातें उनके खिलाफ जा रही हैं? सबसे मुख्य है उनकी आयु। हालांकि मेरा मानना है कि उनकी उम्र मात्र एक नंबर होती है और उनकी चुस्ती-फुर्ती को देखते हुए लगता है कि उनकी आयु के मुद्दे को जरूरत से ज्यादा तूल दिया जा रहा है। वैसे ट्रंप भी युवा नहीं हैं! किंतु सीएनएन के हालिया राष्ट्रीय जनमत सर्वेक्षण में भी ट्रंप को बाइडन से चार प्रतिशत आगे बताया गया है। केवल एक-चौथाई लोगों ने माना कि राष्ट्रपति में अपना काम करने लायक शारीरिक और मानसिक क्षमता है जबकि 77 वर्षीय ट्रंप के बारे में आधे से अधिक लोगों ने कहा कि ट्रम्प में यह क्षमता है। इससे यह स्पष्ट है कि बहुत से लोगों ने आयु के आधार पर अपनी पसंद तय की है। दूसरा मसला जनता तक अपनी बात पहुंचाने काहै। बाइडन और उनका प्रशासन जनता को अपने बेहतर काम से वाकिफ नहीं कर पाया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि पिछले चार सालों में बाइडन ने अमेरिका को डावांडोल स्थिति से निकालकर वहां स्थिरता कायम की है - चाहे हम अर्थव्यवस्था के बात करें या विदेश नीति की। लेकिन वे 'बाइडनोमिक्स' जैसी उनके लिए घातक ब्रांडिंग में उलझ गए हैं। उन्होंने अमेरिका को यह भरोसा दिलाने का प्रयास किया कि लोग जितना अच्छा महसूस कर रहे हैं, उन्हें उससे ज्यादा बेहतर महसूस करना चाहिए क्योंकि प्रमुख आर्थिक संकेतक सकारात्मक हैं। मगर वे यह कर नहीं सके। दरअसल, मतदाताओं के लिए सबसे बड़ा मुद्दा है बढ़ती कीमतें और वे केवल अर्थव्यवस्था सम्बन्धी आंकड़ों को देखकर इस महंगाई को भुलाने को तैयार नहीं हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति पद की दौड़ में सामान्यत- वही उम्मीदवार सफलता हासिल करता है जो वोटिंग के समय मतदाताओं का प्रिय होता है। बाइडन की 2०2० में यही स्थिति थी लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि 2०24 में ऐसा होगा या नहीं। हालांकि बाइडन के पास हालात सुधारने के लिए और लोगों तक अपनी बात पहुँचाने के लिए समय है। चुनाव अभी एक साल दूर हैं और राजनीति में एक साल बहुत लम्बा होता है।

सू- दोकू क्र.034

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.33 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

लड़ाकू वक्ता है भारतीय मूल की निक्की!

श्रुति व्यास

रिपब्लिकनों के डिबेट्स जारी हैं। वे विदेश नीति, घरेलू मामलों, दोनों युद्धों में क्या ठीक हो रहा है और क्या गलत, गर्भपात संबंधी अधिकारों, लोकतांत्रिक अधिकारों पर, और एक दूसरे के नीचा दिखाने के लिए बहस कर रहे हैं। हाल में हुई चौथी टीवी बहस व्यक्तिगत टकरावों से शुरू हुई और उन्हीं पर खत्म भी। यह सब डोनाल्ड ट्रंप का विकल्प बनने के लिए किया जा रहा है, जो अब तक हुए एक भी डिबेट में शामिल नहीं हुए हैं। बावजूद इसके उम्मीदवारी की दौड़ में सबसे आगे हैं। इकोनोमिस्ट ट्रेकर के अनुसार ट्रंप के निकटतम प्रतिद्वंद्वी रॉन डीसानटिस उनसे बहुत पीछे हैं और ट्रंप को उन पर 51 प्रतिशत की बढ़त हासिल है। जैसे-जैसे आयोवा काकस का समय निकट आ रहा है, लगभग सभी विश्लेषक यह मानकर चल रहे हैं कि डोनाल्ड ट्रंप ही रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार होंगे और संभवत- चुनाव जीतकर दूसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति बनेंगे।

हालांकि ट्रंप कानूनी झंझटों में फंसे हुए हैं - चार आपराधिक प्रकरणों में और 91 अन्य अपराधों में - जिनसे उनके दूसरे कार्यकाल के अरमान पूरे होने में बाधा पड़ सकती है। लेकिन, फिलहाल, 77 वर्षीय ट्रंप बाकी सभी रिपब्लिकनों से आगे हैं। ट्रंप के कार्यकाल में उप-राष्ट्रपति रहे माईक पेंस सहित कई उम्मीदवार मैदान छोड़ रहे हैं। विवेक रामास्वामी, जिनके बारे में कहा जाता था कि वे ट्रंप के अलावा बाकी सभी उम्मीदवारों से आगे रहेंगे - अपनी चमक-दमक और गति खोते जा रहे हैं। हालांकि दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर और ट्रंप के कार्यकाल में संयुक्त राष्ट्रसंघ में अमरीका की राजदूत रहीं निक्की हैली आश्चर्यजनक तेजी से उभर रही हैं। वे मजाकिया हैं और कड़े मुकाबले भरे पिछले तीन डिबेट्स में उनका प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है।

उनके प्रतिद्वंदियों ने लगातार उन पर वार किए। राजनीति में यह आपके आगे बढने का संकेत होता है! डीसानटिस ने पहले से ही हैली द्वारा गवर्नर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान चीनी निवेश आकर्षित करने के प्रयासों को लेकर उनकी आलोचना करने वाले विज्ञापन देना प्रारंभ कर दिया है, जिसमें और तेजी और तल्खी आने की संभावना है। विवेक रामास्वामी तो शुरूआत से ही उन्हें ट्रोल करते रहे हैं। पिछली रात हुई डिबेट के दौरान एक बार उन्होंने अपना पैड उठाकर दिखाया जिस पर उन्होंने लिखा था निक्की = भ्रष्ट। जब उन्होंने हैली पर 'पहचान की राजनीति' करने का आरोप लगाया तो श्रोताओं ने उन्हें हूट किया। और जब हैली से पूछा गया कि क्या वे इस आरोप का जवाब देना चाहेंगीं, तो उन्होंने कहा, नहीं। मैं अपना समय बर्बाद नहीं करना चाहूंगी।दर्शकों ने इस पर उन्हें जम कर चीयर किया।

निक्की ने साबित कर दिया है कि वे एक लड़ाकू वक्ता हैं। वे अपने प्रतिद्वंदियों पर तीखे प्रहार करती हैं। और आम लोग, प्रचारक और प्रायोजक जिंदादिल निक्की को पसंद कर रहे हैं। उन्हें ऐसे रईस दानदाताओं से भरपूर धन और प्रचार हेतु अन्य संसाधन मिल रहे हैं जो ट्रंप का विकल्प तलाश रहे हैं। इसका नतीजा यह हुआ है कि अब दूसरे स्थान के लिए उनके और फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसानटिस के बीच कांटे की टक्कर चल रही है। डीसानटिस को पहले काफी मज़बूत माना जा रहा था। निक्की के कुछ समर्थक डीसानटिस को छोडकर उनके साथ आये हैं तो कुछ दक्षिण कैरोलिना के सीनेटर टिम स्कॉट को छोडकर। टिम ने 12 नवम्बर को रेस को अलविदा कह दिया था।

लेकिन इस सबके बावजूद, निक्की मतों की दृष्टि से डीसानटिस और ट्रंप से बहुत पीछे हैं। और जैसे-जैसे मुकाबला कड़ा होता जा रहा है, वह अधिकाधिक दिलचस्प भी हो रहा है। ट्रंप को हालांकि अच्छी-खासी बढ़त हासिल है, लेकिन यदि वे लडकड़ाते हैं या उन्हें जल्दी ही कानूनी कार्यवाही का सामना करना पड़ता है, तो सिर्फ रिपब्लिकन प्रायमरी ही नहीं बदलेंगी आगे का माहौल भी बदलेगा। बाइडन ने एक फंडरेजिंग इवेंट में इसी सप्ताह कहा ''यदि ट्रंप मुकाबले में न होते, तो मैं पक्के तौर पर नहीं कहा सकता कि मैं मैदान में होता या नहीं।

बदमाशों ने एटीएम काटकर की लाखों की लूट

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। काशीपुर में आज तड़के बदमाशों द्वारा एटीएम काटकर लाखों की लूट की घटना को अंजाम दिया गया है। एटीएम लूटे जाने की सूचना मिलने पर पुलिस ने बदमाशों की घेराबंदी शुरू की। बताया जा रहा है कि पुलिस को देखकर बदमाश एक गांव के नजदीक जा छुपे है जिनके जल्द गिरफ्तार होने की संभावना जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार आज तड़के काशीपुर के रामनगर रोड पर स्थित एसबीआई बैंक के एटीएम को बदमाश लूट कर ले गए। एटीएम के लुटने की खबर से क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है बताया जा रहा है कि घटना की सूचना मिलते ही काशीपुर पुलिस द्वारा बदमाशो की घेराबंदी शुरू की गयी और बदमाशो का पीछा करना शुरू किया। वहीं पुलिस को पीछे देख बदमाशो ने कई बार अपना मार्ग भी बदला है। सूत्रों का कहना है कि फिलहाल बदमाश एक ग्रामीण इलाके में जा छिपे है और पुलिस सर्च अभियान चला रही है। वहीं पुलिस सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से बदमाशो की पहचान करने में जुट गई है। बताया जा रहा है कि लूटेरे सफेद रंग की स्कॉर्पियो में आये और उनके द्वारा घटना को अंजाम दिया गया। घटना की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है कि एसबीआई के एटीएम में कितनी नगदी थी। जबकि सूत्रों का दावा है कि एटीएम में 10 लाख रुपए की नगदी थी।

लाखों रुपये के नशीले इंजेक्शन व चरस सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। ड्रग्स-फ्री देवभूमि अभियान के तहत एसटीएफ द्वारा बड़ी कार्यवाही करते हुए अलग-अलग स्थानों से दो नशा तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिनके कब्जे से लाखों रूपये के नशीले इंजेक्शन व भारी मात्रा में चरस बरामद की गयी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि बीती शाम एक सूचना के उपरांत एसटीएफ की ए.एन.टी.एफ टीम (एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स) द्वारा कोतवाली गंगनहर पुलिस के साथ संयुक्त कार्यवाही करते हुए कोतवाली गंगनहर, जनपद हरिद्वार पाडली गुज्जर रोड के पास से एक व्यक्ति को 550 नशीले इंजेक्शनों सहित गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसने पूछताछ में अपना नाम हसीन पुत्र शकील निवासी ग्राम नौजली थाना नांगल जिला सहारनपुर उत्तर प्रदेश बताया। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

वहीं एसटीएफ की दूसरी टीम द्वारा जनपद देहरादून के थाना पटेल नगर क्षेत्र में एक व्यक्ति जिसका नाम दयाराम चौहान पुत्र सेंजीराम निवासी ग्राम गंगाड तहसील मोरी उत्तरकाशी बताया जा रहा है, को पाम सिटी के पास से 467 ग्राम चरस सहित गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

विधायक ने किया एक करोड़ की पेयजल योजना का शुभारंभ

संवाददाता

देहरादून। रायपुर विधानसभा के विधायक उमेश शर्मा काऊ ने वार्ड 61 में एक करोड रूपये की पेयजल योजना का शुभारम्भ किया। आज यहां रायपुर विधानसभा क्षेत्र विधायक उमेश शर्मा काऊ ने वार्ड 61 में एक करोड़ की लागत वाली पेयजल योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बोलते हुए विधायक उमेश शर्मा ने कहा की भाजपा के लिए विकास एवं जन समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता पर है स रायपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास की गंगा बह रही है सवार्ड संख्या 61 के ऋषिनगर क्षेत्र में पेयजल योजना प्रारम्भ होने के बाद पानी की बाकी समस्या भी खत्म हो जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद नीतू बाल्मिकी, तपोवन मण्डल के अध्यक्ष संजीव मल्होत्रा, महामंत्री विजय गिरी, शशांक गुसाईं, प्रशांत डोभाल, नरेंद्र चौधरी, आनंद, सोमवती व कमल किशोर आदि उपस्थित रहे।

3 करोड़ के साइबर घोटाल...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

में आये आरोपियों मनोज गुज्जर पुत्र हरनाम सिंह गुज्जर निवासी ग्राम फतेहपुर निकट प्राईमरी स्कूल पोस्ट बोल्डा थाना शाहपुर भीलवाड़ा राजस्थान, ओमप्रकाश कुमावत उर्फ हिमांशु पुत्र शंकर लाल कुमावत निवासी ग्राम गणेशपुरा निकट शिव मन्दिर अरनिया घोड़ा, थाना शाहपुरा भिलवाड़ा राजस्थान व रईस खान पुत्र मंसूर अली निवासी ग्राम बोरेड़ा तहसील शाहपुरा निकट रवि किराना स्टोर के पास थाना शाहपुरा भीलवाड़ा राजस्थान को गिरफ्तार कर लिया गया। जिनके पास से घटना में प्रयुक्त 4 मोबाईल फोन, 2 क्रैडिट कार्ड, 2 डैबिट कार्ड, आधार कार्ड व पैन कार्ड भी बरामद किये गये है। साइबर क्राइम पुलिस के अनुसार आरोपियों पर पूरे भारत में राष्ट्रीय साइबर पोर्टल पर 74 शिकायतें दर्ज है।

चोपड़ा ने हरिद्वार नगर निगम के निर्माण विभाग की लापरवाही के विरुद्ध आंदोलन की दी चेतावनी

कार्यालय संवाददाता

हरिद्वार। विष्णु घाट के स्थानीय कारोबारी रेडी पटरी के लघु व्यापारियों ने एक बैठक का आयोजन किया। बैठक में मुख्य अतिथि लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा रहे। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ लघु व्यापारी नेता पंडित साधु शरण ने की, बैठक का संचालन पिंक वेंडिंग जोन की अध्यक्ष पूनम माखन ने किया। बैठक के माध्यम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल को ईमेल द्वारा अवगत कराया हरिद्वार नगर निगम के निर्माण विभाग द्वारा पूर्व में 18 सितंबर को शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल द्वारा तीन वेंडिंग जोन के उद्घाटन व चौथे वेंडिंग जोन सेक्टर 2 बैरियर से भगत सिंह चौक की शिलान्यास के किए गए लोकार्पण व उद्घाटन के शिलापट्ट 3 महीने बीत जाने के उपरांत भी हरिद्वार नगर निगम निर्माण विभाग द्वारा घोर लापरवाही के विरुद्ध कार्रवाई की जाने की मांग को प्रमुखता से किया।

इस अवसर पर लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा 18 सितंबर 2023 को उत्तराखंड सरकार के शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल द्वारा शहरी आजीविका आत्मनिर्भर भारत मेले के आयोजन के दौरान राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का शुभारंभ किया गया था। इस दौरान योजना में रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स को सम्मलित कर उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार तीन वेंडिंग जोन प्रथम ललतारो पुल, चंडी चौराहा मार्ग दूसरा महिला पिक वेंडिंग जोन रोड़ी बेल वाला, तीसरा ज्वालापुर पुल जटवाड़ा सीतापुर मार्ग और चौथा सेक्टर 2 बैरल से भगत सिंह चौक तक का शिलान्यास व शिलापट्ट का अनावरण किया गया था लेकिन नगर निगम के निर्माण विभाग की अधिशासी अभियंता द्वारा मौके पर शिलापट्ट नहीं लगाई गई है जोकि एक बड़ी जांच का विषय है। संजय चोपड़ा ने यह भी कहा पूरे घटनाक्रम के विषय पर आयुक्त वरुण चौधरी को अवगत कराया जा चुका है लेकिन सभी वेंडिंग जनों में शिलापट्ट न लगने के कारण राज्य सरकार की योजनाओं का प्रकाशन नहीं हो पा रहा है जिससे स्थानीय सभी लाभार्थी कारोबारी लघु व्यापारियों में रूस व्याप्त है। चोपड़ा ने चेतावनी दी यदि शीघ्र ही मौके पर शिलापट्ट नहीं लगाई गई तो नगर निगम के निर्माण विभाग का घेराव कर धरने प्रदर्शन किए जाएंगे। बैठक में नीरज कश्यप, नंदकिशोर गोस्वामी, कमल पंडित, गौरव सैनी, पुष्पा दास, हेमंत कुमार, ओमप्रकाश कश्यप, वीरेंद्र सिंह, मनोज कुमार, कपिल सिंह, दीपू चंदन दास आदि ने प्रमुख रूप से अपने विचार व्यक्त किए।

उक्रांद की बैठक के दूसरे दिन 35 प्रस्ताव पारित किये

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड क्रांति दल की केन्द्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दूसरे दिन 35 प्रस्ताव पारित किये गये।

उत्तराखंड क्रांति दल की केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक दल के केंद्रीय अध्यक्ष पूरणसिंह कठैत की अध्यक्षता में द्वितीय दिवस जारी रहा। राजनीतिक 35 प्रस्ताव सदन के द्वारा पारित किये गये। जिसमें स्थायी राजधानी गैरसैण घोषित हो। राज्य में सशक्त भू- कानून अविलम्ब लागू किया जाय। मूल निवास 1950 लागू किया जाय। इसके साथ ही 21 वीं सदी की शिक्षा मुहैया कराना तथा प्रत्येक ब्लॉक में एक निशुल्क वॉडिंग स्कूल बनाने का संकल्प। स्वास्थ्य नीति में 21 वीं सदी की स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना। उत्तराखंड एवं प्रदेश के आस पास के प्रांतो से यात्राकाल में निजी कारों से यात्रा करायी जा रही हैं। जिस कारण प्रदेश को टैक्स का नुकसान हो रहा हैं तथा टेक्सी संचालक जो उत्तराखंड से हैं उनको काम नहीं मिलता. इसलिए सशक्त नियमावली बनाकर बाहरी निजी वाहनों के संचालन पर रोक लगायी जाय तथा राज्य में स्थापित समस्त उद्योगों में उत्तराखंड के मूल निवासियों को 80 प्रतिशत रोजगार दिया जाना सुनिश्चित किया जाय। मेरा-बूथ मेरा संकल्प के तहत प्रत्येक पदाधिकारी अपने बूथ की जिम्मेदारी लेगा।

51 निर्धन कन्याओं के विवाह में पहली बार घुड़चढी भी होगी: अग्रवाल

संवाददाता

देहरादून। श्री श्री बालाजी सेवा समिति के अध्यक्ष अखिलेश अग्रवाल ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 51 निर्धन कन्याओं का विवाह समारोह का आयोजन किया जा रहा है इस बार विवाह से पूर्व 51I दुल्हों की घुडचढी की रस्म भी निभायी जायेगी तथा दुल्हों के रात्रि विश्राम की भी व्यवस्था की गयी है।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए अखिलेश अग्रवाल ने बताया कि इस सामूहिक विवाह के दौरान जहां हर बार सुबह ही बारात निकलती थी वहीं इस बार दुल्हों की खिज्मत अधिक हो साथ ही अपनी परम्परा के अनुसार आयोजन हो यह ध्यान में रखते हुए दुल्हों का नाईट स्टे कराया जा रहा है। इससे पहले ये शानदार बारात कालिका मंदिर, दर्शनलाल चौक, झंडा बाजार होते हुए शिवा जी धर्मशाला पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि 22 दिसम्बर से आयोजन शुरू हो जाएंगे। विवाह स्थल सहारनपुर चौक के समीप हिन्दू नेशनल इंटर कालेज रहेगा। जहां सबसे पहले 22 दिसम्बर को हनुमंत कृपा पात्र रसराज महाराज दिल्ली से और पूजा शर्मा रूडकी से पहुंचकर संगीतमय सुंदर कांड पाठ करेगे। 23 दिसम्बर को बारात की घुडचढी होगी और बारात फिर शिवाजी धर्मशाला में ठहरेगी। 24 दिसम्बर को स्वागत बारात मंगल गीत, राजस्थानी नृत्य के साथ ही 51 निर्धन कन्याओं सामूहिक विवाह सम्पन्न होगा। समिति के संरक्षक श्रवण वर्मा ने बताया कि सभी कन्याओं को शादी में एक जैसा जरूरत का सामान दिया जाता है साथ ही समिति वाले उनके मायके की पूरी भूमिका निभाते हैं। विवाह के पश्चात 25 दिसम्बर को श्री श्याम संकीर्तन होगा जोकि शाम चार बजे शुरू होगा।

एक नजर

अयोध्या में बनेगा उत्तराखंड राज्य अतिथि गृह

देहरादून। अयोध्या में उत्तराखंड का राज्य अतिथि गृह बनाया जाएगा। इस अतिथि गृह के लिए राज्य की टीम ने प्रस्तावित जगह का निरीक्षण कर लिया है। इसके साइट प्लान को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस भवन के लिए राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश से 4000 वर्ग मीटर भूमि देने का अनुरोध किया है। श्री राम जन्मभूमि में श्री राम मंदिर का जल्द ही विधिवत उद्घाटन होने जा रहा है। यहां जाने वाले प्रदेशवासियों के लिए प्रदेश सरकार ने राज्य अतिथि गृह बनाने का निर्णय लिया है। राज्य अतिथि गृह के लिए प्रस्तावित भूमि श्रीराम मंदिर स्थल से लगभग साढ़े छह किलोमीटर की दूरी पर है। प्रदेश के अधिकारियों की एक टीम ने इस जगह का भ्रमण भी किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पहले ही कह चुके हैं कि यहां एक विशाल अतिथि गृह बनाया जाएगा, जिससे रामलला के दर्शन करने आने वाले प्रदेशवासियों को ठहरने में कोई परेशानी न हो। इस जगह का निरीक्षण करने गई टीम ने मुख्यमंत्री को निरीक्षण आख्या के साथ के साइट प्लान भी सौंपा है, जिसे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वीकृति प्रदान कर दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की स्वीकृति के बाद अब इस प्लान को जल्द ही उत्तर प्रदेश सरकार को सौंपा जाएगा। सचिव राज्य संपत्ति वीके सुमन ने बताया कि अभी उत्तर प्रदेश सरकार को भूमि का आवंटन करना है। प्रस्तावित स्थल पर टीम निरीक्षण कर आ चुकी है।

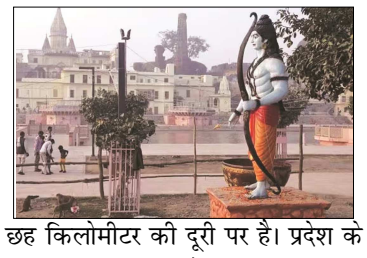

मलाइका अरोड़ा के साथ फोटो खिंचवाते हुए फैन ने किया कुछ ऐसा कि...!

मुंबई। बॉलीवुड इंडस्ट्री की फेमस अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा को आज के समय में कौन नहीं जानता है। इस समय मलाइका अरोड़ा डांस रियलिटी शो *झलक दिखला जा 11* में जज के तौर पर नजर आ रही हैं। अब इसी बीच मलाइका अरोड़ा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है इस वीडियो में मलाइका अरोड़ा के साथ एक फैन फोटो क्लिक करवाते हुए दिखाई दे रहा है। इस वीडियो में मलाइका अरोड़ा एक दिव्यांग फैन के साथ फोटो क्लिक करवाती हुई नजर आ रही है। बॉलीवुड इंडस्ट्री की फेमस अभिनेत्री मलाई का अरोड़ा का जो वीडियो सामने आया है उसमें देखा जा सकता है कि मलाइका अरोड़ा लाल सुर्ख साड़ी पहने हुए काफी खूबसूरत लग रही हैं। इसमें एक्ट्रेस दिव्यांग फैन के साथ फोटो क्लिक करवाती हैं। जब दिव्यांग फैन मलाइका के पास फोटो खिंचवाने पहुंचता है तो एक्ट्रेस की कमर पर हाथ रख देता है। इस बात को लेकर मलाइका अरोड़ा कोई आपत्ति नहीं जताती और बहुत प्यार के साथ फैन के साथ फोटो क्लिक करवा लेती हैं जब फोटो क्लिक हो जाती है उसके बाद मलाइका का एक बॉडीगार्ड फैन का हाथ मलाइका की कमर से हटा देता है।

जो भी मुझे काम दिया जाएगा, मैं वो काम करूंगाः शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। चुनाव जीतने के बाद पहली बार नई दिल्ली पहुंचे शिवराज ने पार्टी अध्यक्ष से मिलने के बाद कहा, आज अच्छी मीटिंग हुई। अब अगले काम की बात की है। जो भी अध्यक्ष जी बोलेंगे, वैसा ही होगा। जो भी मुझे काम दिया जाएगा, मैं वो काम करूंगा। बीजेपी प्रमुख जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम और पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवराज सिंह चौहान ने कहा, एक पार्टी कार्यकर्ता के रूप में, पार्टी मेरे लिए जो भी भूमिका तय करेगी, मैं उसे निभाऊंगा। पार्टी जो भी तय करेगी- मैं करूंगा। राज्य के साथ-साथ केंद्र में भी रहूंगा। राजनीतिक हलकों में अहम मानी जा रही इस मुलाकात के बाद शिवराज सिंह चौहान ने सोशल मीडिया पर पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ एक फोटो शेयर कर लिखा, आज नई दिल्ली में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय जगत प्रकाश नड्डा जी से भेंट की। इस दौरान राष्ट्र उत्थान, लोक कल्याण एवं जनसेवा के विषय में चर्चा हुई। सेवा ही संकल्प है के ध्येय के लिए भाजपा के हम समस्त कार्यकर्ता समर्पित हैं। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद शिवराज सिंह चौहान को पार्टी में सम्मानजनक स्थान और दायित्व दिया जा सकता है। पूर्व सीएम शिवराज से मध्यप्रदेश में सीएम डॉ मोहन यादव की कैबिनेट गठन को लेकर पर सुझाव लिए जाएंगे।

लाखों की ठगी में साइबर ठग झारखंड से गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चमोली। एनीडेस्क एप डाउनलोड करवाकर लाखों की ठगी करने वाले एक शातिर को पुलिस ने नक्सलवादी क्षेत्र काठीकुंड दुमका झारखंड से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी का एक अन्य साथी फरार है जिसकी तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार बीती 14 सितम्बर को नंदन सिंह पुत्र गब्बर सिंह निवासी ग्राम पगना थाना नंदा नगर घाट द्वारा थाना नन्दानगर पर तहरीर देकर बताया गया था कि अज्ञात व्यक्तियों द्वारा 9 सितम्बर को उसके साथ बायजूस आनलाइन क्लास में पैसे रिफंड के बहाने एनीडेस्क एप डाउनलोड करवाकर कुल 6,20000 रुपए की ठगी कर ली गई है। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच करने वाली पुलिस टीम द्वारा सर्वप्रथम पीड़ित से विस्तृत पूछताछ उपरांत संबंधित बैंक 1.उत्तराखंड ग्रामीण बैंक, 2.एच.डी.एफ.सी बैंक व साइबर सेल गोपेश्वर से घटना के संबंध में महत्वपूर्ण साक्ष्य संकलित किए गए।

❑एनीडेस्क एप डाउनलोड करवाकर की गयी थी लाखों की ठगी

साक्ष्य संकलन के दौरान प्रकाश में आया कि पीड़ित के 6 लाख 20 हजार रुपए दुमका झारखंड के दो खाते हमीद मियां निवासी काठीकुंड व हुसैन अंसारी निवासी काठीकुंड व मध्य प्रदेश ग्वालियर के एक खाते में ट्रांसफर हुए हैं। प्राप्त बैंक डिटेल व सर्विलांस के आधार पर पुलिस टीम दुमका झारखंड आई जहाँ से संबंधित एच.डी.एफ.सी बैंक व एस.बी.आई बैंक दुमका झारखंड से उन एटीएम की सीसीटीवी फुटेज निकाली गई जहां से 9 सितम्बर को पीड़ित के पैसे निकाले गये। जिसके उपरांत पुलिस टीम द्वारा थाना काठीकुंड दुमका झारखण्ड पुलिस की सहायता से पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर प्रकाश में आये आरोपी हमीद पुत्र गफूर मिंया निवासी ग्राम बिछिया पहाड़ी थाना काठीकुंड को 14 दिसम्बर को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसको 15 दिसम्बर को न्यायालय दुमका के समक्ष 5 दिवस के ट्रांजिट रिमांड हेतु पेश किया गया। बाद ट्रांजिट रिमांड आरोपी हमीद जिसके खाते में पीड़ित के दो लाख दस हजार रुपए ट्रांसफर हुए थे, को जनपद चमोली लाकर संबंधित न्यायालय चमोली के समक्ष 18 दिसम्बर को न्यायिक रिमांड हेतु पेश किया गया।

ट्रक की चपेट में आकर कार सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। ट्रक की चपेट में आकर कार चालक की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मृतक के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बाल्मीकि बस्ती कौलागढ निवासी मुकेश ने कैंट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका बेटा प्रिंस अपनी कार से बाजार से घर की तरफ आ रहा था जब वह बल्लूपुर चौक पर पहुंचा तभी सामने से तेज गति से आ रहे ट्रक ने कार को अपनी चपेट में ले लिया जिससे उसका बेटा प्रिंस गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसको तत्काल चिकित्सालय में भर्ती कराया गया जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

स्कूल से कम्प्यूटर व अन्य सामान चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने स्कूल से कम्प्यूटर व अन्य सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोनाल इंटरनेशनल स्कूल की शालिनी रावत ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि रात्रि में चोरों ने स्कूल के ताले तोडकर वहां से कम्प्यूटर व अन्य सामान चोरी कर लिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

तीन मंजिला रेस्टोरेंट और बैकरी में लगी आग, लाखों का सामान स्वाह

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। नौगांव क्षेत्रांर्तगत एक तीन मंजिला रेस्टोरेंट व एक बैकरी में देर रात आग लगने से अफरा तफरी फैल गयी। सूचना मिलने पर पुलिस व फायर सर्विस ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है जबकि आग से लाखों का नुकसान होने की बात सामने आयी है।

जानकारी के अनुसार बीती देर रात लगभग 12 बजे पुलिस व फायर सर्विस को सूचना मिली कि नौगांव बाजार स्थित एक होटल में आग लग गयी है। सूचना मिलने पर फायर स्टेशन बड़कोट, फायर यूनिट नौगांव एवं चौकी नौगांव पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू कार्य प्रारंभ किया गया। अग्निकांड ज्यादा भयानक होने के कारण रेस्क्यू हेतु फायर यूनिट पुरोला की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। सभी टीमों द्वारा स्थानीय लोगों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

आग विपिन कुमार के तीन मंजिला रेस्टोरेंट एवं बैकरी की दुकान में लगी थी। घटनास्थल पर 2 सिलेंडरों के फटने से आग तेजी से फैल रही थी। फायर की टीम द्वारा बाकी के 4 सिलेंडरों को अंदर से बाहर निकाला गया और आग पर पूर्णत काबू पाया गया। अग्नि से किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है। संभवत आग शॉर्ट सर्किट से लगनी बताया जा रहा है। आग लगने के स्पष्ट कारणों की जांच की जा रही है।

सार्वजनिक सूचना

मेरा पुत्र विजय सिंह रावत व उसका परिवार मेरे कहने सुनने में नहीं है। जिस कारण मैं विजय सिंह रावत व उसके परिवार को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करने के साथ ही उनसे सम्बन्ध विच्छेद करता हूं। यदि विजय सिंह रावत द्वारा किसी से किसी भी प्रकार का लेन-देन या अन्य कृत्य किया जाता है तो इसके लिए वह स्वंय जिम्मेदार होगा।

त्रिलोक सिंह रावत
पुत्र स्व. मंगल सिंह रावत
निवासी-44 गांधी नगर बल्लूपुर रोड देहरादून।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।